FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

of

Hindi

for

Bachelor of Arts (HONOURS)

(Semester- I)

(Under Credit based Continuous Evaluation Grading System)

(12+3 System of Education)

Session: 2026-27

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

Bachelor of Arts (HONOURS)

(Hindi) ELECTIVE

Session 2026-27

Programme Specific outcomes-

PSO-1: हिंदी साहित्य के आदि,भक्ति, रीति,आधुनिक काल की विस्तृत जानकारी।

PSO-2: हिंदी भाषा कौशल के विभिन्न उपकरणों -रस,छंद,अलंकारों का अध्ययन। हिंदी व्याकरण का गहन अध्ययन।

PSO-3: रचनात्मक लेखन, काव्यगुण, बिम्ब,प्रतीक का परिचय, कंप्यूटर और इंटरनेट का ज्ञान।

PSO-4: भारती कृत गुनाहों का देवता का अध्ययन। प्रेमचंद ,जैनेंद्र, मोहन राकेश, उषा प्रियम्वदा का सामान्य -साहित्यिक परिचय। कहानी के सैद्धांतिक पक्ष का अध्ययन।

PSO5-: विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य की नवीन विधाओं एवम रचनाकारों का परिचय प्राप्त होगा।

PSO-6: प्रयोजनमूलक हिंदी और कार्यालयी, बैंकिंग, शिकायत, नौकरी आवेदन हेतु पत्र का गहन अध्ययन।

PSO-7: दिनकर वी उनकी रश्मिरथी का अध्ययन,वर्तमान संदर्भों में उसका औचित्य, भाग्य और पुरुषार्थ एवं विविध संदर्भों में रश्मिरथी का उल्लेखनीय परिचय।

PSO-8: अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी, अनुवाद के विविध क्षेत्र एवम प्रयोगात्मक कार्य का ज्ञान।

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Bachelor of Arts (HONOURS)
(Semester I)
COURSE CODE -BARL-1268
COURSE TITLE - Hindi (ELECTIVE)(आधुनिक कविता , व्याकरण तथा अनुवाद)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 इकाई एक में विद्यार्थी हिंदी साहित्य के आधुनिक कवियों के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे ।

CO-2 दूसरी इकाई में विद्यार्थी निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय और कविताओं की मूल संवेदना तथा सार के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

CO-3 तीसरी इकाई में विद्यार्थी व्याकरण के सैद्धांतिक रूप के बारे में ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO-4 चौथी इकाई में विद्यार्थी अनुवाद तथा पत्र लेखन और आत्म परिचय का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Bachelor of Arts (HONOURS)
(Semester I)
COURSE CODE -BARL-1268
COURSE TITLE - Hindi (ELECTIVE)(आधुनिक कविता , व्याकरण तथा अनुवाद)

Total-100
समय:तीन घंटे CA- 30
TH-70

LTP- 4-1-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे। कुल आठ प्रश्न पूछने हैं। परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो ,तीन अथवा अधिकतम चार उपभाग कर सकता है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्न करने हैं। प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा।

इकाई -एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृति
'काव्य कुञ्ज' ,डॉ. सुधा जितेन्द्र (संपादक), प्रकाशक – गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर।

इकाई –दो

'काव्य –कुञ्ज' पुस्तक में निर्धारित चयनित कवियों का सामान्य परिचय एवं कविताओं की मूल संवेदना , सार और उद्देश्य से सम्बंधित प्रश्न।

इकाई -तीन

आदर्श हिंदी व्याकरण तथा सैद्धान्तिकी- डॉ. एच .एम्.एल .सूद , प्रकाशक – वागीश प्रकाशन , जालंधर।

सैद्धांतिक व्याकरण : संज्ञा की परिभाषा तथा भेद
सर्वनाम की परिभाषा तथा भेद – उपभेद
विशेषण की परिभाषा तथा भेद – उपभेद
क्रिया की परिभाषा तथा भेद

इकाई -चार

अनुवाद : अर्थ ,परिभाषा , विशेषताएं शब्दावली (संलग्न), पत्रलेखन : पारिवारिक ,शैक्षिक , प्रार्थनापत्र , निमंत्रण पत्र , आत्म परिचय (बायोडाटा) सिद्दांत और व्यवहार | अनुवाद एवं पत्रलेखन में **AI** का समावेश

"हिंदी भाषा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का परिचय" (व्यावहारिक रूप)

- AI का परिचय एवं महत्व
- हिंदी भाषा में AI आधारित उपकरणों का उपयोग
- ChatGPT, Google Gemini, Microsoft Copilot का परिचय

Bachelor of Arts (Honours)/Bachelor of Science (Honours) Hindi (Elective)
(CBGS) (Under NEP 2020) (Batch 2024-28) (Semester I-VIII)
(Faculty of Languages)

अनुवाद संबंधी सामान्य शब्दावली

S.No.		
1.	Advertisement	विज्ञापन
2.	Academic	शैक्षणिक
3.	Attached	संलग्न
4.	Administration	प्रशासन
5.	Action	कार्यवाही
6.	Balance	संतुलन
7.	Acceptance	स्वीकृति
8.	Assurance	आश्वासन
9.	Bond	बंध पत्र/शपथ पत्र
10.	Bonafide	वास्तविक
11.	Board	मण्डल/परिषद्
12.	Capacity	क्षमता
13.	Confidential	गोपनीय
14.	Correspondence	पत्र व्यवहार/ पत्राचार
15.	Communication	संचार
16.	Corporation	निगम
17.	Commission	आयोग
18.	Census	जनगणना
19.	Consumer	उपभोक्ता
20.	Constitution	संविधान
21.	Casual Leave	आकस्मिक अवकाश
22.	Democracy	लोकतंत्र/प्रजातंत्र
23.	Document	दस्तावेज़
24.	Enrollment	नामांकन
25.	Estimate	आकलन
26.	Faculty	विभाग/संकाय
27.	Forwarded	अग्रसारित
28.	Governor	राज्यपाल
29.	Honorary	अवैतनिक
30.	Homage	श्रद्धांजलि
31.	Honorable	माननीय
32.	Illegal	अवैध
33.	Incharge	प्रभारी
34.	Initiative	पहल
35.	Inauguration	उद्घाटन
36.	Increment	वेतनवृद्धि
37.	Inspection	निरीक्षण
38.	Interference	हस्तक्षेप
39.	Joint	संयुक्त
40.	Junior	कनिष्ठ
41.	Majority	बहुमत/बहुसंख्यक
42.	Minor	नाबालिग
43.	Member of Parliament	संसद सदस्य
44.	Neutral	तटस्थ
45.	Notification	अधिसूचना
46.	Original	मौलिक
47.	Option	विकल्प

48.	Provident Fund	भविष्य निधि
49.	Ratio	अनुपात
50.	Registration	पंजीयन
51.	Revision	पुनरीक्षण
52.	Superintendent	अधीक्षक
53.	Secretary	सचिव
54.	Training	प्रशिक्षण
55.	Transfer	स्थानांतरण
56.	Vacancy	रिक्त स्थान
57.	witness	साक्ष्य / गवाह
58.	Zonal	क्षेत्रीय
59.	Uniformity	एकरूपता
60.	Unavoidable	अपरिहार्य

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Hindi
for

Bachelor of Arts (HONOURS)
(Semester- II)

CREDIT BASED CONTINUOUS EVALUATION GRADING SYSTEM (CBCEGS)
(12+3 System of Education)

Session: 2026-27

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Bachelor of Arts(HONOURS)
(Semester II)
COURSE CODE -BARL-2268
COURSE TITLE - Hindi (ELECTIVE)(गद्य साहित्य :सैद्धान्तिकी ,व्याकरण तथा पत्रकारिता)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: प्रथम इकाई में विद्यार्थी गद्य की विधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे |

CO-2: इकाई दो में पुस्तक में निर्धारित विधाओं निबंध,कहानी,एकांकी की तात्त्विक समीक्षा ,सार तथा उद्देश्य सम्बन्धी जानकारी प्राप्त करेंगे |

CO-3: इकाई तीन के माध्यम से विद्यार्थियों को गद्य विधाओं की सैद्धान्तिकी तथा उपसर्ग,प्रत्यय , अनेक शब्दों के लिए एक शब्द ,समानार्थी ,विपरीतार्थक शब्दों का ज्ञान प्रदान किया जायेगा |

CO-4 : इकाई चार में पत्रकारिता से सम्बंधित शब्दावली तथा कार्यालयी पत्रों का सैद्धांतिक परिचय से अवगत करवाया जायेगा |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Bachelor of Arts(HONOURS)
(Semester II)
COURSE CODE -BARL-2268
COURSE TITLE - Hindi (ELECTIVE)(गद्य साहित्य :सैद्धान्तिकी ,व्याकरण तथा पत्रकारिता)

Total-100
समय:तीन घंटे CA- 30
TH-70

LTP- 4 -1 -0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे। कुल आठ प्रश्न पूछने हैं। परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो ,तीन अथवा अधिकतम चार उपभाग कर सकता है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्न करने हैं। प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा।

इकाई -एक

गद्य सौरभ , डॉ सुनील कुमार (संपादक) ,प्रकाशक – गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ,अमृतसर।
अध्ययन क्र लिए तीनों विधाओं की पहली तीन रचनायें पाठ्यक्रम में शामिल की गई हैं।

इकाई -दो

गद्य –सौरभ में निर्धारित लेखकों का सामन्य परिचय।

गद्य – सौरभ में निबंध ,एकांकी ,कहानी की तात्त्विक समीक्षा ,सार एवं उद्देश्य संबंधी प्रश्न।

इकाई -तीन

हिंदी व्यावहारिक व्याकरण पुस्तक भी निर्धारित की गई है।
(क) सैद्धान्तिकी – निबंध ,कहानी ,एकांकी : परिभाषा और तत्त्व (ख) उपसर्ग ,प्रत्यय ,अनेक शब्दों के लिए एक शब्द ,समानार्थी ,विपरीतार्थक।

इकाई -चार

पत्रकारिता : संलग्न शब्दावली (अंग्रेज़ी से हिंदी)

कार्यालयी पत्रों का सैद्धांतिक परिचय – चार पत्र (बैंकिंगव्यवहार सम्बन्धी पत्र ,शिकायत सम्बन्धी पत्र ,परिपत्र , नौकरी हेतु आवेदन)

पत्रकारिता एवं AI (व्यावहारिक रूप)

- डिजिटल पत्रकारिता का परिचय
- फेक न्यूज़ की पहचान में AI की भूमिका
- हिंदी पत्रकारिता में AI के अवसर एवं चुनौतियाँ

पत्रकारिता सम्बन्धी शब्दावली

1.	Advertisement	वज्ञापन
2.	Article	लेख
3.	Adaptation	रूपांतर
4.	Acknowledgement of source	सूत्र का उल्लेख
5.	Art Editor	कला सम्पादक
6.	Audience	श्रोता
7.	All India Radio	आकाशवाणी
8.	Agricultural News	कृ ष समाचार
9.	Announcer	उदघोषक
10.	Banner	पताका
11.	Bigger Type	मोटा टाइप
12.	Body	बॉडी, काय
13.	Booklet	ग्रन्थिका
14.	Box	चौखटा
15.	Bulletin	बुलेटिन
16.	Broadcast	प्रसारण
17.	Brochure	ववर णका
18.	Canons of journalism	पत्रकारिता के नीति सद्धांत
19.	Caption	शीर्षक
20.	Cartoons	व्यंग्य- चत्र
21.	Circulation	प्रसार – संख्या
22.	Classifieds	वर्गीकृत वज्ञापन
23.	Compositor	अक्षर – योजक
24.	Correspondent	संवाददाता
25.	Cub reporter	नौ स खया पत्रकार
26.	Columnist	स्तम्भकार
27.	Communication	संचार
28.	Communication satellite	संचार-उपग्रह
29.	Copyright	प्रति लप्या धकार
30.	Daily	दैनिक
31.	Defamation	मानहानि
32.	Development Journalism	वकास पत्रकारिता
33.	Editor	सम्पादक
34.	Editorial	सम्पादकीय
35.	Exclusive	व शष्ट समाचार
36.	Feature	रूपलेख, फीचर

37.	Feedbook	प्रतिपुष्टि
38.	Flagline	चेतावनी
39.	Folio	पृष्ठ – संख्या
40.	Fortnightly	पा क्षक
41.	Free lancer	स्वतंत्र पत्रकार
42.	Ghost writer	छदम लेखक
43.	Hoarding	प्रचार पटल
44.	Human Interest feature	मनोरोचक फीचर , मर्मस्पर्शी रूपलेख
45.	House Journal	संस्था- पत्र
46.	Interview	साक्षात्कार
47.	Innovation	नवाचार
48.	Jacket	पुस्तकावरण
49.	Layout	सज्जा, वन्यास, अ भन्यास
50.	Letter spacing	अक्षर अंतराल
51.	Live broadcast	सीधा प्रसारण
52.	Local News	स्थानीय समाचार
53.	Make up	पृष्ठ – सज्जा
54.	Mass communication	जन – संचार
55.	Monthly magazine	मा सक पत्रिका
56.	News analysis	समाचार वश्लेषण
57.	Out of print	अप्राप्य
58.	Periodical	नियतका लक पत्रिका
59.	Pix	चत्र
60.	Playwright	नाटककार
61.	Press release	प्रेस- वज्ञप्ति
62.	Quarterly	त्रैमा सक
63.	Screenplay	पटकथा
64.	Sting operation	भंडाफोड़ पत्रकारिता
65.	Spot commercial	अंतराल वज्ञापन
66.	Sponsored programme	प्रायोजित कार्यक्रम
67.	Subscriber	ग्राहक
68.	Tabloid Newspaper	छोटा समाचार पत्र
69.	Wrong font	वजातीय टाइप
70.	Working journalist	श्रमजीवी पत्रकार

*** Note : Students Opting for Hindi (Elective) subject in Bachelor of Arts/ Bachelor of Science/Honours may choose any one of the following Skill Enhancement Course (SEC) in his/her degree Programme during Ist, IInd and IIIrd Year.**

SEC-1 : कंप्यूटर और हिंदी भाषा

SEC-2 : रचनात्मक लेखन

SEC-3 : विज्ञापन और हिंदी भाषा

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

of

Hindi

for

Bachelor of Arts (HONOURS)

(Semester- III)

(Under Credit based Continuous Evaluation Grading System)

(12+3 System of Education)

Session: 2026-27

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Bachelor of Arts (HONOURS)
(Semester III)
CORSE CODE -BARL-3268
COURSE TITLE - Hindi (ELECTIVE)(मध्ययुगीन काव्य , इतिहास,व्याकरण तथा काव्यांग)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO 1 इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी कबीर, गुरुनानक देव जी,सूर, तुलसी, रहीम,बिहारी, गिरिधर कविराय तथा घनानंद कवियों के काव्य के विषय में ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO 2 इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों का साहित्यिक परिचय, कविता की मूल संवेदना और उद्देश्य के संबंध में जानकारी प्राप्त करेंगे।

CO 3 इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी आदिकाल के नामकरण, परिस्थितियां, विशेषताएं तथा सिद्ध एवम रासो साहित्य की प्रवृत्तियों के बारे में जानेंगे।

CO 4 इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी निर्धारित अलंकारों का परिचय और सोदाहरण विवेचन का अध्ययन करेंगे तथा संज्ञा, सर्वनाम,लिंग,वचन संधि और संधि विच्छेद सीखेंगे।

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Bachelor of Arts(HONOURS)
(Semester III)
CORSE CODE -BARL-3268
COURSE TITLE - Hindi (ELECTIVE)(मध्ययुगीन काव्य , इतिहास,व्याकरण तथा काव्यांग)

समय:तीन घंटे

Total-100
CA- 30
TH-70
LTP- 4 -1 -0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे। कुल आठ प्रश्न पूछने हैं। परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो ,तीन अथवा अधिकतम चार उपभाग कर सकता है। परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्न करने हैं। प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा।

इकाई -एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृति:- काव्य चिंतन, संपादक – डॉ. सुनीता शर्मा ,गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी , अमृतसर

कबीर – पहली 40 साखियाँ ,श्री गुरु नानक देव जी – जपुजी साहिब , सूरदास – पहले 15 पद ,तुलसीदास – पहले 30 दोहे ,रहीम – पहले 25 दोहे , बिहारी – पहले 35 दोहे , गिरिधर कविराय – पहली 15 कुंडलियाँ , घनानन्द – पहले 25 दोहे

इकाई -दो

काव्य चिंतन पुस्तक में निर्धारित कवियों का सामान्य परिचय एवं कविताओं की मूल संवेदना , सार तथा उद्देश्य से संबंधित प्रश्न

इकाई -तीन

हिन्दी साहित्य का इतिहास : प्रकाशक गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी अमृतसर।

हिन्दी साहित्य के इतिहास के आदिकाल का अध्ययन अपेक्षित है ।

ततसंबंधी प्रमुख परिक्षेत्र - आदिकाल का नामकरण , आदिकाल - परिस्थितियाँ , विशेषताएँ , सिद्ध और रासो साहित्य : परिचय और विशेषताएँ ।

इकाई -चार

अलंकार निरूपण :-
अनुप्रास ,यमक ,उपमा, रूपक, प्रतीक , विरोधाभास (छः अलंकार) परिभाषा ,लक्षण सोदाहरण परिचय
स्वर ,व्यंजन : परिभाषा ,लिंग , वचन , प्रचलित संधि और संधि विच्छेद।
सहायक पुस्तकें ;-
श्रेष्ठ हिन्दी व्याकरण : व्यथित हृदय

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) एवं हिन्दी भाषा (व्यावहारिक रूप)

1. AI के नैतिक पक्ष एवं चुनौतियाँ

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Hindi
for

Bachelor of Arts(HONOURS)
(Semester IV)

Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System

(12+3 System of Education)

Session: 2026-27

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Bachelor of Arts(HONOURS)
(Semester-IV)
COURSE TITLE:HINDI (ELECTIVE)(उपन्यास , नाटक : सैद्धांतिकी , व्याकरण तथा भक्तिकाल)
Course Code - BARL - 4268

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO 1 इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी प्रेमचंद के उपन्यास निर्मला और लक्ष्मी नारायण लाल के नाटक मि अभिमन्यु का अध्ययन करेंगे।

CO 2 विद्यार्थी उपन्यास और नाटक की सैधान्तिकी का ज्ञान प्राप्त करेंगे। उपन्यास और नाटक संबंधी सभी निर्धारित प्रश्नों का उत्तर देने में समर्थ होंगे।

CO 3 इसमें विद्यार्थी भक्तिकाल की परिस्थितियां, हिंदी साहित्य का स्वर्णयुग - भक्तिकाल,और अन्य काव्य धाराओं के विषय में विशेष जाकारी ले सकेंगे।

CO 4 इसमें विद्यार्थी मुहावरे और लोकोक्तियों का अर्थ और प्रयोग करना सीखेंगे।

विद्यार्थी विराम चिह्न,निर्धारित समास और कारक का परिचय प्राप्त करेंगे।

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Bachelor of Arts(HONOURS)
(Semester-IV)
COURSE TITLE:HINDI (ELECTIVE)(उपन्यास , नाटक : सैद्धांतिकी , व्याकरण तथा भक्तिकाल)
Course Code - BARL - 4268

Total-100

समय:तीन घंटे

CA- 30
TH-70

LTP- 4 -1 -0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है । परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे । कुल आठ प्रश्न पूछने हैं । परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो ,तीन अथवा अधिकतम चार उपभाग कर सकता है । परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्न करने हैं । प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का होगा ।

इकाई- एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृति :-

निर्मला : मुंशी प्रेमचन्द , मिस्टर अभिमन्यु : लक्ष्मी नारायण लाल

इकाई – दो

मुंशी प्रेमचन्द और लक्ष्मी नारायण लाल का सामान्य परिचय

निर्मला उपन्यास एवं मिस्टर अभिमन्यु नाटक से संबंधित प्रश्न : तात्त्विक समीक्षा ,सार , उद्देश्य, चरित्र - चित्रण आदि से संबंधित प्रश्न ।

सैद्धांतिकी : उपन्यास तथा नाटक की परिभाषा एवं तत्त्व

इकाई – तीन

भक्तिकाल : परिस्थितियाँ , स्वर्ण युग ,काव्य धाराएँ ।

इकाई – चार

सामान्य प्रचलित मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ : अर्थ और वाक्य प्रयोग
विराम चिन्ह ,सामान्य प्रचलित समास , कारक (अनुप्रयोग)

हिन्दी साहित्य, शोध एवं AI (व्यावहारिक रूप)

1. AI और भारतीय ज्ञान परम्परा
2. शोध एवं लेखन में AI के नैतिक मानदण्ड

सहायक पुस्तकें :

1) प्रेमचन्द व्यक्ति और साहित्यकार ,मुनमथनाथ गुप्त ,इलाहाबाद : सरस्वती प्रेस ,1961
2) हिन्दी साहित्य शास्त्र की भूमिका , डॉ. कृष्णवल्लभ जोशी ,इलाहाबाद ; वसुमती प्रकाशन ,1973
3) हिन्दी साहित्य का विकास (भाग-1) ,आदि काल एवं भक्तिकाल , डॉ. अविनाश शर्मा ,अमृतसर , गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ,2003
4) श्रेष्ठ हिन्दी व्याकरण , श्री व्यथित हृदय , दिल्ली : आधुनिक प्रकाशन .2004

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Hindi
for

Bachelor of Arts
(Semester V)

(Under Continuous Evaluation System)

(12+3 System of Education)

Session: 2026-27

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Bachelor of Arts
(Semester-V)
COURSE TITLE:HINDI (ELECTIVE) (विशिष्ट कवि एवं काव्य सिद्धांत ,कामकाजी हिन्दी तथा रीतिकाल)

Course Code - BARL - 5268

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 हिंदी के मूर्धन्य कवि 'दिनकर'और उनके विख्यात खंडकाव्य रश्मिरथी के अध्ययन का रसास्वादन

CO-2 रामधारी सिंह दिनकर का परिचय, करण के चरित्र और भारतीय सांस्कृतिक चेतना जैसे दान,दया,धर्म,धैर्य इत्यादि के महत्त्व का ज्ञान। रश्मिरथी के शीर्षक की सार्थकतायुद्ध , और धर्म सम्बन्धी चिंतन एवं रश्मिरथी के मूल मंतव्य का वर्तमान परिधि में मूल्यांकन

CO-3 हिंदी सहित के महत्वपूरण छंदों का ज्ञान।

CO- 4 पारिभाषिक शब्दावली का ज्ञान।

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Bachelor of Arts
(Semester-V)
COURSE TITLE:HINDI (ELECTIVE) (विशिष्ट कवि एवं काव्य सिद्धांत ,कामकाजी हिन्दी तथा रीतिकाल)

Course Code - BARL - 5268

Total-100
समय:तीन घंटे CA- 30
TH-70

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है । परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे । कुल आठ प्रश्न पूछने हैं । परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो ,तीन अथवा अधिकतम चार उपभाग कर सकता है । परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्न करने हैं । प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का होगा ।

इकाई -एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृति

रश्मिरथी (रामधारी सिंह दिनकर)

इकाई -दो

रामधारी सिंह दिनकर का सामान्य परिचय एवं निर्धारित पुस्तक रश्मिरथी से संबंधित प्रश्न

इकाई -तीन

काव्य सिद्धांत : काव्य की परिभाषा , तत्त्व , प्रकार
कामकाजी हिन्दी के प्रमुख कार्य : प्रारूपण , संक्षेपण , टिप्पण : परिभाषा एवं विधि विशेष , पदनाम शब्द (संलग्न)

इकाई -चार

रीतिकाल : नामकरण ,परिस्थितियाँ ,विशेषताएँ एवं काव्यधाराओं का केवल परिचय।
दस छंद : वसन्ततिलका ,भुजंगप्रयात , वंशस्थ , मालिनी ,इंद्रवज्रा , दोहा , चौपाई ,कवित्त ,सोरठा ,गीतिका

सहायक पुस्तकें :

1) भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र ,डॉ .सत्यदेव चौधरी ,अशोक प्रकाशन ,दिल्ली .2014
2) हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग-2) , रीतिकाल एवं आधुनिक काल , डॉ .अविनाश शर्मा ,डॉ . राकेश , गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ,अमृतसर 2003
3) आधुनिक हिन्दी व्याकरण , श्री शरण , डॉ . आलोक कुमार रस्तोगी , चिंतन प्रकाशन , कानपुर , 2001

अंग्रेजी प्रशासनिक पदनामों के हिन्दी अनुवाद

1. Auditor	लेखा परीक्षक
2. Acting Principal	कार्यवाहक प्राचार्य
3. Administrator	प्रशासक
4. Associate Professor	सह आचार्य
5. Air Hostess	विमान परिचारिका
6. Attendant	परिचर
7. Administrator General	महाप्रशासक
8. Attorney General	महान्यायवादी
9. Advocate General	महाधिवक्ता
10. Auditor General	महालेखापरीक्षक
11. Assistant Commissioner of Police	सहायक पुलिस आयुक्त
12. Chairman	अध्यक्ष
13. Chancellor	कुलाधिपति
14. Vice – Chancellor	वुलपति
15. Commissioner	आयुक्त
16. Controller	नियन्त्रक
17. Commissioner of Police	पुलिस आयुक्त
18. Deputy Commissioner	उपायुक्त
19. Director	निदेशक
20. Education Officer	शिक्षा अधिकारी
21. Evaluation Officer	मूल्यांकन अधिकारी
22. Executive Engineer	कार्यकारी अभियन्ता
23. Editor in Chief	प्रमुख संपादक
24. Forest Officer	वन अधिकारी
25. General Manager	महाप्रबंधक
26. Honorary Adviser	मानद सलाहकार
27. Inspector General	महानिरीक्षक
28. Secretary	सचिव
29. Joint Secretary	संयुक्त सचिव
30. Lecturer	प्राध्यापक
31. Public Relation Officer	जन संपर्क अधिकारी
32. Proctor	कुलानुशासक
33. Professor	आचार्य
34. President's Estate Officer	राष्ट्रपति संपदा अधिकारी
35. Principal Secretary	प्रधान सचिव
36. Registrar	कुलसचिव
37. Surveyor	सर्वेक्षक
38. Superintendent	अधीक्षक
39. Supervisor	पर्यवेक्षक
40. Sales – Incharge	बिकी प्रभारी
41. Senior Assistant	वरिष्ठ सहायक
42. Senior Deputy General	वरिष्ठ उप महाप्रबंधक
43. Patent Officer	एकस्व अधिकारी
44. Commissioner For Food and Supply	खाद्य एवं आपूर्ति आयुक्त
45. Commissioner for Department Enquiry	विभागीय जांच आयुक्त
46. Additional Station Director	अपर केन्द्र निदेशक
47. Chief Justice	प्रमुख न्यायवादी
48. Pro Vice Chancellor	प्रतिकुलपति
49. Field Assistant	क्षेत्रीय सहायक
50. Medical Officer	चिकित्सा अधिकारी

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Hindi
for

Bachelor of Arts
(Semester Vl)

(Under Continuous Evaluation System)

(12+3 System of Education)

Session: 2026-27

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Bachelor of Arts
(Semester-VI)
COURSE TITLE:HINDI (ELECTIVE) (विशिष्ट रचनाकार एवं रचना :सैद्धांतिक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन ,अनुवाद बोध)
Course Code - BARM - 6268

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 हिन्दी की नवीन गद्य विधाओं का परिचय देते हुए साहित्य के हस्ताक्षर लेखकों व उनकी कृतियों का विश्लेषण |

CO-2 गद्य विधाओं के तात्विक स्वरूप एवं रचनात्मक प्रक्रिया का ज्ञान तथा उनके तत्वों के आधार पर रिपोर्ताज भेंटवार्ता , इत्यादि विधाओं का मूल्यांकन ||

CO-3 गद्य विधाओं के विषय,भाषा एवं शैलीगत वैविध्य का रसास्वाद पत्र, व्यंग्य , तथा ललित निबंध की तात्विक समीक्षा के साथ उनके भाषाई कौशल का परीक्षण|

CO-4 पत्रों का सैद्धांतिक ज्ञान तथा पत्रकारिता का ज्ञान प्रदान किया जायेगा |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Bachelor of Arts
(Semester-VI)
COURSE TITLE:HINDI (ELECTIVE) (विशिष्ट रचनाकार एवं रचना :सैद्धांतिक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन ,अनुवाद बोध)
Course Code - BARM - 6268

Total-100
समय:तीन घंटे CA- 20
TH-60
P-20

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है । परीक्षक द्वारा प्रत्येक भाग में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे । कुल आठ प्रश्न पूछने हैं । परीक्षक प्रत्येक प्रश्न के दो ,तीन अथवा अधिकतम चार उपभाग कर सकता है । परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्न करने हैं । प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा और पांचवां प्रश्न परीक्षार्थी किसी भी भाग से कर सकता है। प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का होगा ।

इकाई -एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृति

'गद्य –बहुरंग ' संपादक प्रो . सुधा जितेंद्र ,प्रो . सुनील , नई दिल्ली : राधा कृष्ण प्रकाशन ।

पुस्तक में संकलित सभी विधाएँ सप्रसंग व्याख्या के लिए निर्धारित की गई हैं ।

इकाई -दो

पाठ्य पुस्तक गद्य –बहुरंग में निर्धारित रचनाओं के लेखकों का सामान्य परिचय एवं रचनाओं संबंधित प्रश्न

इकाई -तीन

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल – निर्धारित परिक्षेत्र

- भारतेन्दु युग : सामान्य परिचय
- द्विवेदी युग : सामान्य परिचय

- छायावाद : प्रमुख कवि तथा काव्यगत विशेषताएँ
- प्रगतिवाद : प्रमुख कवि तथा काव्यगत विशेषताएँ
- प्रयोगवाद ; प्रमुख कवि तथा तार सप्तक का मूल्यांकन
- नई कविता : अभिप्राय और प्रमुख विशेषताएँ
- उपन्यास तथा कहानी विधा विकास
- हिन्दी आलोचना और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

इकाई -चार

1. पारिभाषिक शब्दावली : अंग्रेजी से हिन्दी ,हिन्दी से अंग्रेजी (प्रचलित वाक्यांश या अभिव्यक्तियाँ) (संलग्न)
2. निबंध : राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा हिन्दी

AI एवं अनुवाद बोध

3. मशीन अनुवाद (Machine Translation) का परिचय
4. हिन्दी-अंग्रेज़ी अनुवाद में AI की भूमिका
5. AI आधारित पारिभाषिक शब्दावली निर्माण
6. साहित्यिक एवं तकनीकी अनुवाद में AI का उपयोग
7. AI अनुवाद की सीमाएँ एवं मानवीय संपादन का महत्व

सहायक पुस्तकें :

- हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग-2) ,रीतिकाल एवं आधुनिक काल , गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी , अमृतसर ,2003.
- हिन्दी साहित्य का इतिहास , डॉ रामसजन पांडेय (संपा.)

कार्यालयी शब्दावली

1.	Draft for approval	अनुमोदन के लिए मसौदा
2.	For early approval	शीघ्र आदेश के लिए
3.	For perusal	अवलोकन के लिए/देखने के लिए
4.	For favour of orders	आदेश के लिए
5.	For favourable action	अनुकूल कार्रवाई के लिए
6.	For signature	हस्ताक्षर के लिए
7.	Applicant details and Address	आवेदक का ब्यौरा एवं पता
8.	To see and Discuss	मिलें और विमर्श करें
9.	Forwarded and recommended	अग्रेषित और संस्तुत/सिफारिश की जाती है
10.	For Sympathetic consideration	सहानुभूतिपूर्वक विचार के लिए
11.	early orders are solicited	शीघ्र आदेश अपेक्षित है
12.	Minister has seen	मंत्री जी ने देख लिया है
13.	Need no comment	टिप्पणी की आवश्यकता नहीं है
14.	As early as possible	यथाशीघ्र
15.	Order has been communicated	आदेश भेज दिया गया है
16.	Saving Bank pass book	बचत बैंक खाता पास बुक
17.	Allowed	अनुमति दी
18.	Submitted for information	सूचना के लिए प्रस्तुत
19.	Submitted for orders	आदेश के लिए प्रस्तुत
20.	As amended/ as revised	यथा संशोधित/यथा पुनरीक्षित
21.	Approved as proposed	यथा प्रस्ताव/ प्रस्ताव के लिए अनुमोदित
22.	Await further action	आगे की कार्रवाई की प्रतीक्षा करें
23.	Discrepancy may be reconciled	विसंगति का समाधान कर लिया जाए
24.	Do the needful	आवश्यक कार्वाई करें
25.	Await further action	अगली रिपोर्ट की प्रतीक्षा करें
26.	Further orders will follows	आगे और आदेश भेजे जाएंगे
27.	I agree	मैं सहमत हूं
28.	Issue today	आज ही भेजिए/भेज दिया जाए
29.	Issue as amended	यथा संशोधित रूप में भेज दीजिए
30.	Issue reminder urgently	तुरन्त अनुस्मारक/स्मरण–पत्र भेजिए
31.	It is an offence	यह कानूनी अपराध है
32.	Keep with the file	इसे मिसिल/ फाइल के साथ रखिए
33.	Matter is under consideration	मामला(विषय) विचाराधीन है
34.	Obtain formal sanction	औपचारिक संस्वीकृति/मंजूरी प्राप्त करें
35.	Office to note and comply	कार्यालय ध्यान दें और पालन करें
36.	All concerned to note	सभी संबंधित नोट करें/ध्यान दें
37.	Order may be issued	आदेश जारी कर दिया जाए
38.	Please discuss	चर्चा कीजिए
39.	Please speak	बात कीजिए

40.	Please report	विवरण दीजिए
41.	Please keep pending	कृपया इसे रोका जाए
42.	Please circulate and file	सभी को दिखाकर फाइल कर दीजिए
43.	Please inform immediately	तत्काल सूचित कर दीजिए
44.	Please expedite compliance	शीघ्र अनुपालन कीजिए
45.	Paper under consideration	विचाराधीन कागज/स्मरण पत्र भेज दें
46.	Passed for payment	भुगतान के लिए पास किया गया
47.	Reminder may be sent	अनुस्मारक/स्मरण–पत्र भेज दें
48.	Sanctioned as proposed	प्रस्ताव के अनुसार मंजूर/यथा प्रस्ताव संस्वीकृत
49.	Seen, issue	देख लिया, जारी कर दिया जाए
50.	Seen and returned	देख कर वापस किया जाता है

Annexure-F

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Mater of Arts (Hindi)
(Semester I)

(Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System)

(CBCEGS)

Session: 2026-27

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts(Hindi)
(Semester I)

Programme Specific outcomes-

PSO-1: द्विवेदीयुगीन और छायावादी कवियों व काव्य की विस्तृत जानकारी। हिंदी साहित्य के सम्पूर्ण इतिहास की जानकारी। आदिकाल ,भक्तिकालएवं रीतिकाल का सम्पूर्ण परिचय ।

PSO-2: काव्य-हेतु,तत्व,प्रयोजन,प्रकार,अलंकार,ध्वनि,रीति,वक्रोक्ति,औचित्य के परिचय के साथ विद्यार्थियों की संकल्पनात्मकता को सक्षमता।•कार्यालयी हिंदी एवं इसके अन्य रूप , पारिभाषिक शब्दावली, कंप्यूटर, इंटरनेट, कार्यालयी टिप्पणियों की जानकारी।राजभाषा हिंदी , कार्यालयी हिंदी,राष्ट्रपति के हिंदी भाषा संबंधी आदेश एवम हिंदी के प्रयोजन मूलक रूप का ज्ञान।

PSO-3: नाटक की सैद्धांतिकी,पारसी थियेटर, रेडियो नाटक अंधेर नगरी, ध्रुवस्वामिनी और आठवां सर्ग की गहन जानकारी। कोश और पंजाब के हिंदी साहित्य की परख।•उत्तर छायावादी युग तथा अज्ञेय, मुक्तिबोध व धूमिल का गहन अध्ययन।

PSO-4: पाश्चात्य आलोचना के सिद्धांत, दार्शनिक चिंतकों देन,उत्तराधुनिकतावादी दार्शनिक विधाओं का ज्ञान। •जनसंचार, दूरसंचार तथा दूरसंचार के विविध माध्यम -रेडियो, टी वी, कंप्यूटर,पारिभाषिक शब्दावली की विशिष्ट जानकारी।

PSO-5: द्विवेदीयुगीन और छायावादी काव्य का सूक्ष्म विवेचन।गोदान,एक दुनिया समानांतर और अतीत के चलचित्र का सम्यक अध्ययन।निबंध विविधा ,आधे अधूरे और आवारा मसीहा का सम्यक अध्ययन एवं विभिन्न स्तरों पर मूल्याङ्कन ।

PSO-6: भाषा तथा भाषाविज्ञान का गहन ज्ञान। हिंदी भाषा की बोलियों, मध्यकालीन एवम भारतीय भाषाओं का अध्ययन, हिंदी भाषा की व्याकारणिक कोटियों का ज्ञान। पत्रकारिता का स्वरूप, सामान्य सिद्धांतों की जानकारी । पत्रकारिता के विराट प्रबंधन स्वरूप का अध्ययन

PSO-7: छायावादोत्तर कवियों के काव्य का ज्ञान, हिंदी साहित्य के निबंधकारों, नाटकों ,कहानियों एवं कहानीकारों ,जीवनी का ज्ञान। भीषम साहनी ,मृदुला गर्ग और मन्नू भंडारी की निर्धारित कहानियों का गहन अध्ययन ।शोध की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी,डिजिटल युग में शोध सामग्री संकलन, आदि की जानकारी।

PSO-8: गुरु तेग बहादुर जी वाणी का विशिष्ट अध्ययन। उनकी वाणी का सांस्कृतिक पक्ष,अद्वैत दर्शन, राग योजना, प्रगतिशील अध्ययन। हिंदी साहित्य के महत्वपूर्ण उपन्यासों का अध्ययन, आचार्य शुक्ल के निबंधों का गहन अध्ययन।

PG DEPARTMENT OF HINDI

Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester I)
Course Code: MHIL - 1261

आधुनिक हिंदी काव्य : द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO-1: इस पाठ्यक्रम के माध्यम से द्विवेदीयुग और छायावादी युग के काव्य और इसकी प्रवृत्तियों से अवगत होंगें।

CO-2: इस पाठ्यक्रम से द्विवेदीयुग के प्रतिनिधि कवि मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचय प्राप्त करेंगे और उनकी प्रतिनिधि रचना साकेत के विविध पक्षों के अध्ययन द्वारा द्विवेदीयुगीन काव्य के महत्त्व और सौन्दर्य को समझेंगे।

CO-3: आधुनिक युग में खड़ी बोली हिंदी के पहले महाकाव्य कामायनी के माध्यम से तत्कालीन परिस्थितियों के समानांतर भारतीय जनमानस के अन्त: संघर्ष को समझने के साथ-साथ विद्यार्थी आधुनिक साहित्य के सामाजिक,दार्शनिक,मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य और आशय को समझने में सक्षम होंगें|

Co-4: इससे विद्यार्थी एक समय की सामाजिक परिस्थितियों की सापेक्षता में बदल रहे जीवन मूल्यों के साथ मानव चेतना के संघर्ष को निराला की कविताओं के माध्यम से समझेंगे और निराला के काव्य की प्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester I)
Course Code: MHIL - 1261
आधुनिक हिंदी काव्य : द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70

LTP-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई -एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां :(निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है)

मैथिलीशरण गुप्त : साकेत , साहित्य सदन , झांसी ,1988 (नवां सर्ग)

जयशंकर प्रसाद : कामायनी , भारती भंडार ,इलाहाबाद , 1971 (श्रद्धा ,लज्जा एवं आनंद सर्ग)

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : राग विराग ,संपा. रामविलास शर्मा , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद , 1974 (राम की शक्ति पूजा , सरोज स्मृति , जागो फिर एक बार 1-2, जूही की कली , बांधों ना नाव , कुकुरमुत्ता

इकाई -दो

द्विवेदीवेदी युगीन : प्रमुख प्रवृत्तियां एवं प्रमुख रचनाकारों का सामान्य परिचय (मैथिलीशरण गुप्त , अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' , श्रीधर पाठक
-साकेत का महाकाव्यत्व
-नवम सर्ग का काव्य-वैभव
- राष्ट्रीय चेतना के कवि मैथिलीशरणगुप्त
-साकेत: सांस्कृतिक आधार और युगीन दर्शन
-उर्मिला का चरित्र चित्रण

इकाई -तीन

छायावाद : प्रमुख प्रवृत्तियां एवं प्रमुख रचनाकारों का परिचय (जयशंकर प्रसाद , सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ,सुमित्रानंदन पन्त , महादेवी वर्मा)
-कामायनी की अंतर्वस्तु
-कामायनी :महाकाव्यत्व
-कामायनी: दार्शनिक पक्ष
-कामायनी: रूपक योजना
-कामायनी की भाषा-शैली

इकाई -चार

-छायावादी कवि निराला
-प्रगतिवादी कवि निराला
-प्रयोगधर्मी कवि निराला
-निराला का काव्य-सौन्दर्य
-राम की शक्ति पूजा:कथ्य और शिल्प
-सरोज-स्मृति: कथ्य और शिल्प

सहायक पुस्तकें :

हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, डॉ. श्रीनिवास शर्मा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली |
हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि,डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा |
साकेत एक अध्ययन,नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली|
मैथिलीशरण गुप्त: एक मूल्यांकन, राजीव सक्सेना, हिंदी बुक सेन्टर,नई दिल्ली|
मैथिलीशरण गुप्त: कवि और भारतीय संकृति के आख्याता, उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली|
साकेत सुधा,रामस्वरूप दुबे,नारायण बुक डिपो,कानपुर |
प्रिय प्रवास औरसाकेत की आदर्शगत तुलना,श्री वल्लभ शर्मा,मंगल प्रकाशन, जयपुर|
कामायनी में काव्य,संस्कृति और दर्शन,डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना,विनोद पुस्तक मन्दिर,आगरा|
मिथक ओर स्वरूप :कामायनी कि मनस्सौन्दर्या सामाजिक भूमिका, रमेश कुंतल मेघ,ग्रंथम कानपुर |
कामायनी:मूल्यांकन ओर मूल्यांकन,इन्द्रनाथ मदान,नीलाभ प्रकाशन,इलाहाबाद|
कामायनी:एक पुनर्विचार,गजानन माधव मुक्तिबोध,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली|
कामायनी के अध्ययन की समस्याएं,डॉ. नगेन्द्र,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली |
निराला की साहित्य साधना,रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली|

क्रांतिकारी कवि निराला,बच्चन सिंह,हिंदी प्रचारक,वाराणसी
काव्य-पुरुष निराला,जयनाथ नलिन,आलोक प्रकाशन,कुरुक्षेत्र|

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester I)
Course Code: MHIL-1262
हिंदी साहित्य का इतिहास

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1:इस पाठ्यक्रम में विद्यार्थी साहित्य के इतिहास के अर्थ और साहित्य इतिहास लेखन की परम्परा से परिचित होंगें |

CO-2 :आदिकाल के नामकरण और सीमा निर्धारण जैसे विवादित एवं अनिर्णीत विषयों के प्रति सजग होने के साथ आदिकाल की प्रमुख काव्य प्रवृतियों से अवगत होंगें|

CO-3:भक्तिकाल की पृष्ठभूमि और सगुण-निर्गुण काव्यधाराओं में प्रमुख गौण कवियों और काव्य प्रवृत्तियों को समझेंगे |

CO-4 :रीतिकाल की परिस्थितियों एवं प्रमुख एवं गौण काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगें |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester I)
Course Code: MHIL-1262

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

LTP – 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14-14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई - एक

इतिहास दर्शन:

-साहित्येतिहास लेखन:अर्थ एवं अभिप्राय |

-हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा |

-हिंदी साहित्य का इतिहास:काल विभाजन,सीमा निर्धारण और नामकरण|

इकाई - दो

आदिकाल:

-आदिकाल की पृष्ठभूमि,नामकरण की समस्या, विभिन्न परिस्थितियां, साहित्यिक प्रवृत्तियां

-सिद्ध,नाथ,जैन साहित्य (सामान्य परिचय)

-रासो काव्य , प्रमुख प्रवृत्तियां
-लौकिक काव्य धारा: परिचय एवं प्रवृत्तियां
-प्रमुख कवि (चंदबरदाई,जगनिक,अमीर खुसरो,विद्यापति :व्यक्तित्व एवं कृतित्व परिचय)

इकाई-तीन

-भक्तिकाल: पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियां
- निर्गुण एवं सगुण काव्यधारा: प्रमुख विशेषताएं |
-प्रमुख कवि:(कबीर, जायसी,तुलसीदास,सूरदास)
-भक्तेतर काव्य: प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य |

इकाई- चार

-रीतिकाल: नामकरण और काल सीमा निर्धारण
-उत्तरमध्यकाल पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियां
-रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधाराओं का परिचय एवं प्रवृत्तियां
-प्रमुख कवि:(केशव,बिहारी,देव,गुरु गोबिंद सिंह)

सहायक पुस्तकें:

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास,आ.रामचंद्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |
2.हिन्दी साहित्य का इतिहास,संपादक डॉ.नगेन्द्र,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली |
3.रीतिकाव्य की भूमिका:डॉ.नगेन्द्र
4.साहित्य इतिहास का दर्शन,आचार्य नलिन विलोचन शर्मा,बिहार राष्ट्र परिषद्,पटना |
5.हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास,डॉ.रामकुमार वर्मा,रामनारायण बेणी माधव,इलाहाबाद |
6.हिन्दी साहित्य का अतीत, भाग-1,2,3 प. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, ब्रह्मनाल, वाराणसी |
7.हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास (भाग-1 से 16),नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी |
8.हिन्दी साहित्य का इतिहास,हुकुमचंद राजपाल,विकास पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली |
9. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |
10.साहित्य और इतिहास दृष्टि: मैनेजर पांडेय
11.मध्यकालीन बांध का स्वरूप: हजारी प्रसाद द्विवेदी |
12.हिन्दी साहित्य का अतीत(भाग 1,2):विश्वनाथ प्रसाद मिश्र |
13.हिन्दी साहित्य का इतिहास:पूरनचंद टंडन,विनीता कुमारी |
14.आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि:राममूर्ति त्रिपाठी |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester I)
Course Code: MHIL-1263

Course Title:भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1:भारतीय काव्यशास्त्र में हम साहित्य एवं समीक्षा के सम्बन्ध में विद्वान आचार्यों के द्वारा दिए गये मतों एवं सिद्धांतों के क्रमिक विकास ,साहित्य पर उनके प्रभाव ओर उनके योगदान तथा उनकी सीमाओं की जानकारी प्राप्त करते हैं |

CO-2:रस आंतरिक आनंदानुभूति है तो अलंकार बाह्य सौन्दर्य-विधान |रस का व्यावहारिक ज्ञान अगर विद्यार्थियों की आंतरिक गहनता को परखने में सहायक होगा तो अलंकार उनके मन के कल्पनात्मक तत्वों को सक्षमता प्रदान करेंगे |

Co-3 : ध्वनि, रीति और वक्रोक्ति का ज्ञान विद्यार्थियों को रचनात्मक अभिव्यक्ति में परोक्ष एवं सूक्ष्म भूमिका निभाने वाले तत्वों की जानकारी उन्हें सैद्धांतिक ज्ञान ओर व्यावहारिक कौशल दोनों प्रदान करती है |

CO-4:विद्यार्थियों को औचित्य सिद्धांत की जानकारी प्राप्त होगी एवं वे आलोचना की विभिन्न प्रवृत्तियों के बारे में जान सकेंगे |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester I)
Course Code: MHIL-1263

Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

LTP – 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई - एक

काव्य :

काव्य-लक्षण,काव्य तत्व, काव्य-हेतु,काव्य प्रयोजन,काव्य के प्रकार |

इकाई - दो

रस सम्प्रदाय : रस का स्वरुप ,रस के अंग,रस-निष्पत्ति,साधारणीकरण,सहृदय की अवधारणा |

अलंकार सम्प्रदाय: परम्परा और मूल स्थापनाएँ,अलंकारों का वर्गीकरण |

इकाई - तीन

ध्वनि सम्प्रदाय: ध्वनि का स्वरूप,ध्वनि-सिद्धान्त की स्थापनाएं,ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद |

रीति सिद्धांत: रीति की अवधारणा, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएं, काव्य गुण,रीति एवं

शैली |

वक्रोक्ति सिद्धांत: वक्रोक्ति की अवधारणा एवं मान्यताएं,वक्रोक्ति के भेद |

इकाई - चार

औचित्य सिद्धांत :औचित्य से अभिप्राय**,**औचित्य का स्वरूप एवं भेद,प्रमुख स्थापनाएं,काव्य में औचित्य का स्थान एवं महत्व |

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियां :शास्त्रीय,तुलनात्मक,मनोविश्लेषणवादी,शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय |

सहायक पुस्तकें:

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
2. आलोचक और आलोचना: बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
3. हिंदी समीक्षा: स्वरूप और सन्दर्भ, रामदरश मिश्र, मैकमिलन कम्पनी, दिल्ली |
4.आधुनिक हिंदी समीक्षा-प्रकीर्णक से पद्धति तक, यदुनाथ सिंह, आर्य प्रकाशन मंडल, दिल्ली |
5.हिंदी आलोचना का सिद्धान्त, मक्खन लाल शर्मा, शब्द और शब्द प्रकाशन,दिल्ली |
6. भारतीय समीक्षा सिद्धांत, सूर्य नारायण द्विवेदी, संजय बुक सैंटर,वाराणसी |
7.भारतीय साहित्य दर्शन,सत्यदेव चौधरी, साहित्य सदन, देहरादून |
8.भारतीय काव्यशास्त्र, भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
9.काव्यशास्त्र, भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
10. रस सिद्धांत की दार्शनिक एवं नैतिक व्याख्याएं, तारकनाथ बाली, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester I)
Course Code: MHIL-1264

Course Title:प्रयोजनमूलक हिंदी

Course Outcomes :

CO-1: इकाई एक के द्वारा विद्यार्थी भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे | कार्यालय में प्रयुक्त कार्यप्रणाली व कामकाजी हिंदी के रूपों संक्षेपण,पल्लवन,प्रारूपण,पत्रलेखन व टिप्पण लेखन की विशेष जानकारी प्राप्त होगी |

CO-2:ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली एवं इसी से सम्बन्धित सैद्धांतिकी का ज्ञान प्राप्त होगा |

CO-3:कम्प्यूटर से यद्यपि कोई परिचित नहीं परन्तु सैद्धांतिक रूप से इसकी विस्तृत जानकारी विद्यार्थी अर्जित कर सकता है | इस इकाई के अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थी इंटरनेट से की जाने वाली ई मेल, लिंक,डाउनलोडिंग की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

CO-4:इस इकाई से विद्यार्थी कार्यालयी टिप्पणियों के हिन्दी रूपों के सम्बन्ध में तथा कम्प्यूटर शब्दों के हिंदी रूपों का परिचय प्राप्त कर अपने ज्ञान में वृद्धि करेंगे |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Masters of Arts (Hindi)
(Semester I)
Course Code: MHIL-1264
Course Title: प्रयोजनमूलक हिन्दी

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

LTP- 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई - एक

पाठ्य विषय :

कामकाजी हिन्दी
-हिंदी के विभिन्न रूप-संचार : भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा, सर्जनात्मक भाषा |

-कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख रूप : संक्षेपण,पल्लवन, **प्रारूपण** |

संक्षेपण : अभिप्राय:,परिभाषा,महत्त्व, संक्षेपण व अन्य रचना रूप, संक्षेपण के आवश्यक तत्व, संक्षेपण विधि |

पल्लवन : अभिप्राय ,परिभाषा,महत्त्व एवं उपयोगिता, पल्लवन के गुण/विशेषताएं,पल्लवन के अन्य स्वतंत्र रूप,पल्लवन की विधि |

प्रारूपण : परिचय,परिभाषा,आवश्यकता व महत्त्व ,प्रारूपण की विधि/अंग,प्रारूपण के प्रकार,अच्छे प्रारूपण की विशेषताएं |

-पारिभाषिक शब्दावली -स्वरूप एवं महत्व,पारिभाषिक शब्दावली :परिभाषा, पारिभाषिक शब्दावली के गुण व विशेषताएं |

इकाई - दो

-हिंदी कंप्यूटिंग: कम्प्यूटर: परिचय,परिभाषा,विशेषताएं,उपयोगिता,क्षेत्र,कम्प्यूटर के प्रकार |

- कम्प्यूटर : परिचय उपयोग तथा क्षेत्र |

-इंटरनेट : संपर्क उपकरणों का परिचय,प्रकार्यात्मक रख-रखाव एवं इंटरनेट : समय मितव्ययिता के सूत्र |

-वेब पब्लिशिंग |

इकाई - तीन

-इंटरनेट एक्स्प्लोरर अथवा नेटस्केप नेवीगेटर

-लिंक,ब्राउज़िंग,ई-मेल भेजना/प्राप्त करना,हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व

अपलोडिंग,हिन्दी सॉफ्टवेयर,पैकेज |

इकाई - चार

कार्यालयी टिप्पणियों के हिन्दी रूप सम्बन्धी शब्दावली, पृ.73-76 तक, कम्प्यूटर शब्दावली, पृ.144- 147 तक |

-ज्ञान विज्ञान के क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली निर्धारित क्षेत्र: बैंक, रेलवे, कम्प्यूटर और सामान्य प्रशासनिक शब्दावली 228 से 229 तक

परिभाषिक शब्दावली, कार्यालयी टिप्पणियों व कम्प्यूटर शब्दावली हेतु अनुशंसित पुस्तक-हिन्दी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम, वागीश प्रकाशन,जालंधर, संस्करण- 2005|

सहायक पुस्तकें:

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी- विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी:सिद्धांत और प्रयोग दंगल झाल्टे, विद्या विहार, नई दिल्ली |

3. राजभाषा विविध, माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. ज्ञान शिखा (प्रयोजनमूलक हिन्दी विशेषांक), संपा. डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय प्रकाशन।
5. अनुवाद प्रकिया, डॉ. रीता रानी पालीवाल, साहित्य निधि, दिल्ली।
6. व्यावहारिक हिन्दी, कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. कंप्यूटर और हिन्दी, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. संक्षेपण और विस्तारण, कैलाशचन्द्र भाटिया, सुमन सिंह प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
9. प्रयोजनमूलक हिन्दी, रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
10 प्रयोजनमूलक हिन्दी, संरचना एवं अनुप्रयोग, डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
11.प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी, डॉ. ओमप्रकाश सिंहल, जगत राम प्रकाशन, दिल्ली।
12 अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएं, भोलानाथ तिवारी/ओमप्रकाश गाबा,शरद प्रकाशन, दिल्ली।
13.राजभाषा हिन्दी, डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
14.प्रशासनिक कार्यालय की हिन्दी, डॉ. रामप्रकाश/डॉ.दिनेश कुमार गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली|
15.व्यावहारिक हिन्दी, डॉ. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
16.प्रयोजनमूलक हिन्दी, कमल कुमार बोस, क्लासिकल पब्लिशिंग, नई दिल्ली।
17.हिन्दी की मानक वर्तनी कैलाश चन्द्र भाटिया, रचना भाटिया, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
18.कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग : सिद्धांत और तकनीक, राजीव, राजेन्द्र कुमार, साहित्य मंदिर, दिल्ली।
19.प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राजनाथ भट्ट, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला ।

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester I)
Course Code: MHIL-1265

(विकल्प -एक)

हिंदी नाटक और रंगमंच

Course Outcomes :

CO-1: नाटक हिंदी गद्य साहित्य की अन्यतम विधा है | इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक काल में भारतेंदु युग के नाटकों के विकास तथा रंगमंच के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा नाटक की सैद्दन्तिकी के बारे में जानेंगे।

CO-2: भारतेंदु युग के नाटककारों ने लोक चेतना के विकास के लिए नाटकों की रचना की ताकि उस समय की सामाजिक समस्याओं को नाटकों में अभिव्यक्त किया जा सके | द्वितीय इकाई में विद्यार्थी भारतेंदु कृत नाटक 'अंधेर नगरी' का गहन अध्ययन करेंगे |

CO-3:तृतीय इकाई के माध्यम से विद्यार्थी जयशंकर प्रसाद के नाटक 'ध्रुवस्वामिनी' का गहन अध्ययन करेंगें तथा ऐतिहासिक नाटकों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगें |

CO-4:चतुर्थ इकाई के माध्यम से विद्यार्थी सुरेन्द वर्मा कृत 'आठवाँ' सर्ग नाटक का अध्ययन करेंगें| यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों की रंगमंच के प्रति रूचि उत्पन्न करेगा और उनकी सृजनात्मक क्षमता को उभरने में मदद करेगा |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester I)
Course Code: MHIL-1265

(विकल्प -एक)

Course Title: हिन्दी नाटक और रंगमंच

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

LTP- 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई - एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियाँ :(निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है)

(क) अंधेर नगरी: भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली |
(ख) ध्रुवस्वामिनी: जयशंकर प्रसाद, प्रसाद प्रकाशन, वाराणसी |
(ग) आठवां सर्ग : सुरेन्द्र वर्मा , राधाकृष्णन प्रकाशन ,दिल्ली |

इकाई - दो

भारतेंदु का रंगमंच : सामर्थ्य और सीमाएं
पारसी रंगमंच, पृथ्वी थियेटर, नुक्कड़ नाटक, रेडियो नाटक
भारतेंदु की नाट्य चेतना
अंधेर नगरी का मुख्य सन्दर्भ
अंधेर नगरी में भारतेंदु युगीन विसंगतियों की अभिव्यक्ति
अंधेर नगरी में यथार्थ बोध
अंधेर नगरी में व्यंग्य भाषा, शैली
अंधेर नगरी का नाट्य शिल्प, प्रतीक विधान |

इकाई - तीन

हिन्दी नाटक विकास के विभिन्न चरण

जयशंकर प्रसाद : नाट्य यात्रा में ध्रुवस्वामिनी का महत्वाँकन

ध्रुवस्वामिनी: इतिहास और कल्पना का योग
ध्रुवस्वामिनी: राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना
ध्रुवस्वामिनी: रंगमंचीयता
ध्रुवस्वामिनी: पात्र परिकल्पना, गीत योजना, भाषा-शैली
ध्रुवस्वामिनी: ध्रुवस्वामिनी का प्रबंधकीय एवं राजनीतिक कौशल

इकाई - चार

सुरेन्द्र वर्मा : नाट्ययात्रा में 'आठवां सर्ग'
आठवां सर्ग : शीर्षक की सार्थकता एवं प्रासंगिकता
आठवां सर्ग : समस्या चित्रण,श्लीलता अश्लीलता का प्रश्न
आठवां सर्ग : अभिनेयता
आठवां सर्ग : पात्र परिकल्पना
आठवां सर्ग : गीत योजना, भाषा शैली

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, डॉ. अज्ञात, पुस्तक संस्थान, कानपुर।
2. पारसी हिंदी रंगमंच, लक्ष्मीनारायण लाल, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
3. भारतेंदु हरिश्चन्द्र, रामविलास शर्मा,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. नाटककार भारतेंदु की रंग कल्पना,सत्येन्द्र तनेजा, भारतीय भाषा प्रकाशन, दिल्ली।
5. प्रसाद के नाटकों का पुनर्मूल्यांकन, सिद्धनाथ कुमार, ग्रन्थथम्, कानपुर।
6. सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों में परंपरा और आधुनिकता बोध ।
7. सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों की विषय वस्तु , केवल कृष्ण घोड़ेला, दिल्ली ।

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester I)
Course Code: MHIL-1265

(**विकल्प–दो**)

कोश विज्ञान

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: कोश विज्ञान की उत्पत्ति ,अर्थ, पर्याय , विलोम आदि जानने का सबसे सरल , उपयोगी एवं अनुकरणीय माध्यम है |

CO-2: इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी कोश की उपयोगिता, कोश के भेद और कोश और व्याकरण के अंतर्संबंध के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकता है |

CO-3: कोश के निर्माण की प्रक्रिया, कोश के प्रकार , कोश निर्माण में आने वाली कठिनाइयों के बारे में ज्ञान अर्जित कर सकता है |

CO-4: कोश विज्ञान के साथ ध्वनि,व्याकरण व्युत्पति शास्त्र और अर्थ विज्ञान का गहन अध्ययन – विश्लेषण करने में सक्षम हो सकता है |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester I)
Course Code: MHIL-1265
(विकल्प - दो)

कोश विज्ञान

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

LTP- 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई - एक

पाठ्य विषय :

कोश, परिभाषा और स्वरूप, कोश की उपयोगिता,कोश और व्याकरण का अंत: सम्बन्ध |

इकाई - दो

कोश के भेद- समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोश, एककालिक और कालक्रमिक कोश, पारिभाषिक कोश, व्युत्पत्ति कोश, समांतर कोश, अध्येताकोश, विश्वकोश , बोलीकोश|

इकाई - तीन

कोश- निर्माण की प्रक्रिया : सामग्री संकलन, प्रवृष्टिक्रम, व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्युत्पति, अर्थ, पर्याय, चित्र प्रयोग, उप-प्रवृष्टियां संक्षिप्तियां, सन्दर्भ और प्रतिसंदर्भ |

रूप अर्थ सम्बन्ध : अनेकार्थकता, समनार्थकता, समनामता, समध्वन्यात्मकता,विलोमता |

इकाई - चार

-कोश निर्माण की समस्याएं : समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोशों के संदर्भ में, अलिखित भाषाओँ का कोश-निर्माण |

-कोशविज्ञान और विषयों का सम्बन्ध : कोशविज्ञान और स्वनविज्ञान, व्याकरण, व्युत्पत्ति शास्त्र और अर्थविज्ञान का सम्बन्ध |

सहायक पुस्तकें :

1.डॉ. भोलानाथ तिवारी, कोश और उसके प्रकार, दिल्ली : साहित्य सहकार|

2.डॉ. कामेश्वर शर्मा, हिन्दी की समस्याएं, पटना :नोवेल्टी एंड कम्पनी |

3.कोश विज्ञान,प्रकाशन केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा |

4.डॉ. हेमचन्द्र जोशी, हिंदी के कोष और कोशशास्त्र के सिद्धांत-राजर्षि अभिनन्दन ग्रंथ, दिल्ली: प्रथम संस्करण |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester I)
Course Code: MHIL-1265

(विकल्प –तीन)

पंजाब का मध्यकालीन हिंदी साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: विद्यार्थी इस प्रश्नपत्र में पंजाब के हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि के बारे में जानेंगे |

CO-2: इतिहास के अतिरिक्त विद्यार्थी , गुरु काव्यधारा , राम काव्यधारा , कृष्ण काव्यधारा व सूफी काव्यधारा के अध्ययन के साथ- साथ गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध भक्तिकालीन गद्य साहित्य का ज्ञानार्जन कर सकेगा |

CO-3 : गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध दरबारी काव्य तथा श्री मद भगवद गीता के सन्दर्भ में अनुवाद एवं भाष्य का अध्ययन कर सकेगा |

CO-4:विद्यार्थी चतुर्थ इकाई में जन्म साखी साहित्य, टीकाएँ, अनुवाद एवं भाष्य के बारे मं जानकारी प्राप्त करेंगे |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester I)
Course Code: MHIL-1265

(विकल्प - तीन)

Course Title:पंजाब का मध्यकालीन हिन्दी साहित्य

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

LTP – 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई - एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :

पंजाब के हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि, परम्परा, इतिहास और काल विभाजन - नाथ साहित्य, सिद्ध साहित्य तथा लौकिक साहित्य|

इकाई - दो

गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध पंजाब का भक्ति हिंदी साहित्य|
गुरु काव्य-धारा
राम काव्य-धारा
कृष्ण काव्य-धारा
सूफी काव्य-धारा
गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध भक्तिकालीन हिंदी गद्य

इकाई - तीन

गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध दरबारी-काव्य
पटियाला दरबार
संगरूर दरबार
कपूरथला दरबार
नाभा दरबार
गुरु गोबिंद सिंह का विद्या दरबार

इकाई - चार

जन्मसाखी साहित्य (पुरातन जन्मसाखी के संदर्भ में)
टीकाएं(आनंदघन के संदर्भ में)
अनुवाद एवं भाष्य (गीता के संदर्भ में)

सहायक पुस्तकें:

1. पंजाब का हिन्दी साहित्य, डॉ.हरमहेन्द्र सिंह बेदी, डॉ. कुलविन्द्र कौर, मनप्रीत प्रकाशन, दिल्ली।
2. पंजाब प्रान्तीय हिन्दी साहित्य का इतिहास, चन्द्रकान्त बाली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली|
3. गुरुमुखी लिपि में हिन्दी काव्य, डॉ. हरिभजन सिंह, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
4. गुरुमुखी लिपि में हिन्दी गद्य, डॉ. गोविन्द नाथ राजगुरु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. गुरु गोबिन्द सिंह के दरबारी कवि, डॉ.भारत भूषण चौधरी, स्वास्तिक साहित्य सदन, कुरुक्षेत्र।
6. पंजाब हिन्दी साहित्य दर्पण, शमशेर सिंह, 'अशोक' अशोक पुस्तकालय, पटियाला।

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

of

Master of Arts (Hindi)

(Semester II)

(Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System)

Session: 2026-27

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester II)
Course Code: MHIL - 2261

COURSE TITLE –आधुनिक हिंदी काव्य : छायावादोत्तर काल

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO-1 : उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियां – प्रगतिवाद ,प्रयोगवाद , नयी कविता , समकालीन कविता

CO-2 : स्वातन्त्र्योत्तर युग में जैसे-जैसे पूंजीवाद के फलस्वरूप भौतिकवादी रुझानों ने भारतीयों जीवन-शैली ,राजनीतिक सामाजिक व्यवस्था,जीवन मूल्यों और समाजिक सम्बन्धों को प्रभावित किया वैसे-वैसे वे अनुभूतियाँ किस प्रकार तीव्र और गहन रूप में काव्य में अभिव्यक्त हुईं हैं इसेअज्ञेय की कविताओं के माध्यम से समझेंगे| कवि का काव्य इसका प्रमाण है |

CO-3 : विद्यार्थी साहित्य के सामाजिक सरोकारों को समझने के साथ-साथ कविता के नवीन रूपों को पढ़ेंगे और समझेंगे | साठोत्तरी हिंदी कविता में हिंदी कविता के भाव एवं शिल्प के स्तर पर जिन नवीन सम्भावनाओं को अपनी कविता में अभिव्यक्त करने वाले कवि की कविता 'अँधेरे में' के अध्ययन से उपर्युक्त परिवर्तन को समझेंगे |

CO-4: हिंदी कविता में जनवादी कवि के रूप में विख्यात कवि धूमिल के काव्य की सम्वेदना और शिल्प से परिचित होंगे |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester II)
Course Code: MHIL - 2261

COURSE TITLE–आधुनिक हिंदी काव्य : छायावादोत्तर काल

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70
L-T-P- 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई -एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कवि : (निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है)

स.ही.वात्स्यायन 'अज्ञेय' संपा. विद्या निवास मिश्र ,राजपाल एण्ड संस ,दिल्ली 1993 (असाध्य वीणा , बावरा अहेरी ,शब्द और सत्य , औद्योगिक बस्ती,आँगन के पार , कितनी नावों में कितनी बार ,नदी के द्वीप)

ग. मा.मुक्तिबोध , चनन्द का मुंह टेड़ा है, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन , दिल्ली ,1964 (अंधेरे में)

धूमिल , संसद से सड़क तक (मोची राम ,भाषा की एक रात ,पटकथा)

इकाई-दो

उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियां – प्रगतिवाद ,प्रयोगवाद

स.ही.वात्सयायन 'अज्ञेय' का सामान्य परिचय

- अज्ञेय :व्यक्तित्व और कृतित्व
- छायावादोत्तर काव्यान्दोलन और अज्ञेय
- प्रयोगवादी कवि अज्ञेय
- अज्ञेय के काव्य की साहित्यिक विशेषताएं
- असाध्य वीणा: प्रतिपाद्य और शिल्प

इकाई-तीन

नयी कविता , समकालीन कविता

- मुक्तिबोध:व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- प्रतिबद्ध कवि मुक्तिबोध फेंटेसी
-'अँधेरे में' कविता का कथ्य और शिल्प
- मुक्तिबोध की कविता का भावजगत एवं उनका काव्य शिल्प

इकाई -चार

धूमिल

-धूमिल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

-साठोत्तरी हिंदी कविता और धूमिल

-धूमिल की कविता में मानव-मूल्य

-धूमिल की कविता:आज के व्यक्ति का बिम्ब

-धूमिल कि कविता:भाषा-शिल्प

सहायक पुस्तकें

धूमिल और उसका काव्य संघर्ष,डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद|
धूमिल: काव्य-यात्रा,मंजू अग्रवाल,ग्रंथम,कानपुर |
समकालीन कविता और धूमिल,डॉ. मंजुल उपाध्याय,अनामिका प्रकाशन,इलाहाबाद|
नयी कविता का प्रमुख हस्ताक्षर,डॉ. संतोष कुमार तिवारी,जवाहर पुस्तकालय,मथुरा |
अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या,रामस्वरूप चतुर्वेदी,भारतीय ज्ञानपीठ,दिल्ली|
अज्ञेय कवि,ओम प्रकाश अवस्थी,ग्रंथम,कानपुर|
अज्ञेय, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली |
अज्ञेय की कविता-एक मूल्यांकन चन्द्रकांत बादीवडेकर,विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा|
मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता,लल्लन राय,मंथन पब्लिकेशन,रोहतक|
मुक्तिबोध:प्रतिबद्ध कला के प्रतीक,चंचल चौहान,पांडुलिपि प्रकाशन,दिल्ली|
गजानन माधव मुक्तिबोध:जीवन और काव्य,महेश भटनागर,राजेश प्रकाश,दिल्ली |

मुक्तिबोध:विचारक कवि और कथाकार,सुरेन्द्र प्रताप,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली |
मुक्तिबोध की काव्य चेतना,हुकुमचंद राजपाल,वाणी प्रकाशन,दिल्ली|
मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना:नंदकिशोर नवल,राजकिशोर प्रकाशन,नई दिल्ली|
अज्ञेय की काव्य तितीषा, नंदकिशोर आचार्य वाग्यदेवी प्रकाशन,बीकानेर|
वाक्-संदर्श,हरमोहन लाल सूद,पीयूष प्रकाशन,दिल्ली|
धूमिल और उसका काव्य-संघर्ष, ब्रह्मदेव मिश्र,लोकभारती,इलाहाबाद|

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester II)
Course Code: MHIL-2262

COURSE TITLE-पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1:भारतीय काव्यशास्त्र के परिचय के उपरान्त इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के क्रमिक विकास के अंतर्गत प्लेटो,अरस्तू जैसे आधुनिक आलोचकों की साहित्य एवं साहित्य की समीक्षा से सम्बन्धित विभिन्न धारणाओं से अवगत होंगे|

CO-2: काव्य के उदात्त क्या हैं तथा कविता की आलोचना के मानदंड क्या हैं,को लोजाइंनस और मैथ्यू ओर्नल्ड के अनुसार उनकी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर पायेंगे |

CO-3: कविता महज़ एक लेखन प्रक्रिया नहीं है वरन् उसकी सक्षमता तभी सिद्ध होती है जब वह पाठक या श्रोताके आंतरिक मनोवेगों को संतुलित कर पाती है तथा परम्पराओं को निभाते हुए वर्तमान को विश्लेषित करती है | इस सब के लिए काव्य की भाषा सरल लेकिन सार्थक होनी आवश्यक है और इस सबका ज्ञान विद्यार्थी आई. ए. रिचर्ड्स और टी.एस.इलियट के मतानुसार प्राप्त कर सकेंगे |

CO-4:आधुनिक युग में स्वछंदतावाद , अस्तित्ववाद , उत्तर आधुनिकतावाद इत्यादि दार्शनिक विचारधाराओं के स्वरूप और विशेषताओं को जानेगें |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester II)
Course Code: MHIL- 2262

Course Title: पाश्चात्य -काव्यशास्त्र

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

L-T-P- 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई - एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :
पाश्चात्य आलोचना का इतिहास:संक्षिप्त परिचयात्मक इतिहास
प्लेटो: काव्य सिद्धान्त,प्रत्ययवाद |
अरस्तू: अनुकरण-सिद्धान्त,त्रासदी-विवेचन,विरेचन सिद्धान्त |

इकाई - दो

लौंजाइनस : उदात्त की अवधारणा और स्वरूप |
मैथ्यू आर्नल्ड:आलोचना का स्वरूपगत प्रकार्य |

इकाई - तीन

आई.ए.रिचर्ड्स:संवेगो का सन्तुलन,व्यावहारिक आलोचना,काव्यभाषा |

टी.एस.इलियट: निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त,परम्परा की अवधारणा |

इकाई - चार

सिद्धांत और वाद:

स्वछंदतावाद,अभिव्यंजनावाद,मार्क्सवाद,अस्तित्ववाद,संरचनावाद,आधुनिकतावाद

व्यावहारिक समीक्षा: परीक्षक द्वारा प्रश्नपत्र में पूछे गए किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा

सहायक पुस्तकें:

1. पाश्चात्य समीक्षा के सिद्धांत: मैथिली प्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़ |
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
3. आलोचक और आलोचना: बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
4. नई समीक्षा के प्रतिमान, सं.निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा, संपा.नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली |
6. पाश्चात्य और पौरस्त तुलनात्मक काव्यशास्त्र,राममूर्ति त्रिपाठी,राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी,जयपुर |
7. पाश्चात्य समीक्षा: सिद्धांत और वाद, डॉ. सत्यदेव मिश्र |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester II)
Course Code: MHIL-2263

COURSE TITLE–मीडिया लेखन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 :प्रथम इकाई के अध्ययन से विद्यार्थियों को जनसंचार एवं जनसंचार के माध्यमों की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी |

CO-2 :द्वितीय इकाई का अध्ययन करने से विद्यार्थी रेडियो के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और रेडियो नाटक,उद्घोषणा,विज्ञापन लेखन के कार्य करने के योग्य बनेंगे |

CO-3 :इकाई तीन के अंतर्गत विद्यार्थी दृश्य-श्रव्य माध्यमों की कार्य प्रणाली से परिचित होंगे व इस माध्यम से प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों को लिखने में प्रवृत हो अपनी सर्जनात्मक प्रतिभा का परिचय देंगे |

CO-4 : इस इकाई के माध्यम से विद्यार्थी अनेक क्षेत्रों से सम्बन्धित पारिभाषिक शब्दावली से परिचित होंगे और साहित्य की विधाओं का दृश्य-श्रव्य माध्यमों में कैसे रूपान्तरण होता है,यह भी जानने में सफ़ल होंगे |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester II)
Course Code: MHIL- 2263

Course Title: मीडिया - लेखन

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

L-T-P-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई - एक

- जनसंचार माध्यम: परिभाषा,स्वरूप एवं प्रकार
- जनसंचार: प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां
- विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप: मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इन्टरनेट |

इकाई - दो

- श्रव्य माध्यम (रेडियो) मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार वाचन एवं लेखन |
- रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोतार्ज |

इकाई - तीन

- दृश्य- श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविज़न एवं वीडियो)

दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य: पार्श्व वाचन (Voice over), पटकथा लेखन(Script Writing), टेली ड्रामा(Tele Drama), डाक्यू ड्रामा(Documentry), संवाद- लेखन(Dialouge Writing) |

इकाई - चार

साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा |
पारिभाषिक शब्दावली हेतु अनुशंसित पुस्तक-हिंदी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम, वागीश प्रकाशन, जालंधर, संस्करण 2005|
विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली पृ. 222 से 226

सहायक पुस्तकें:

1. जनसंचार माध्यमों में हिंदी, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली |
2. भारतीय प्रसारण माध्यम, डॉ. कृष्ण कुमार रत्तु, मंगदीप प्रकाशन, जयपुर |
3. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक, हर्षदेव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
4. भाषा और प्रोद्योगिकी, विनोद कुमार प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester II)
Course Code: MHIL-2264

COURSE TITLE-राजी सेठ – विशेष अध्ययन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

Co.1 : राजी सेठ के उपन्यास 'तत्सम' का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी स्त्री के जीवन में आने वाली समस्याओं का सामना करने में सक्षम होंगें |

Co.2 : लेखिका के व्यक्तित्व के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए उनके कृतित्त्व का गहन अध्ययन करेंगे |

Co.3 : विद्यार्थी 'अनावृत कौन' कहानी के माध्यम से अस्तित्वादी चेतना और पुरुष मनोविज्ञान के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |

Co.4 : 'अंधे मोड़ से आगे' कहानी के माध्यम से नारी मनोविज्ञान तथा बदलते वैवाहिक संबंधों का ज्ञान प्राप्त करेंगे |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester II)
Course Code: MHIL-2264
COURSE TITLE-राजी सेठ – विशेष अध्ययन

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70
L-T-P-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :-
यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई –एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियाँ : (निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है)

निर्धारित उपन्यास - तत्सम-राजी सेठ

निर्धारित कहानियां - अनावृत कौन – राजी सेठ

अंधे मोड़ से आगे-राजी सेठ

इकाई –दो

राजी सेठ का व्यक्तित्व एवं कृतित्व : संक्षिप्त परिचय

हिंदी महिला कथा लेखन : संक्षिप्त परिचय

तत्सम की कथावस्तु

वसुधा , विवेक और आनंद की चारित्रिक विशेषताएं

तत्सम् में अन्तर्द्वन्द्व

तत्सम् में नारी समस्याएं

इकाई – तीन

राजी सेठ के कथा साहित्य में नारी चेतना

राजी सेठ की भाषा शैली

अनावृत कौन – अस्तित्ववादी चेतना

अनावृत कौन - दाम्पत्य सम्बन्ध

अनावृत कौन - भारतीय और विदेशी परिवेश का अंकन

अनावृत कौन - स्त्री- विमर्श

इकाई – चार

अंधे मोड़ से आगे : बदलते सम्बन्धों का दस्तावेज़

अंधे मोड़ से आगे में सामाजिक स्तरीकरण

अंधे मोड़ से आगे नारी मनोविज्ञान

अंधे मोड़ से आगे की कथा-भाषा

सहायक पुस्तकें :

राजी सेठ – सृष्टि एवं दृष्टि : डॉ. कश्मीरी लाल , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली
राजी सेठ – संवेदन का कथा दर्शन : डॉ. रमेश दवे , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली
कथाकार राजी सेठ : डॉ. मिरगने अनुराधा जनार्दन , अमन प्रकाशन , नागपुर
राजी सेठ का रचना संसार : डॉ. स्नेह्जा सोनाले , विद्या प्रकाशन , कानपुर
राजी सेठ का कथा साहित्य : डॉ. सरोज शुक्ला , चिंतन और शिल्प
उपन्यासकार राजी सेठ : प्रो. प्रमोद चौधरी

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester II)
Course Code: MHIL-2265

(विकल्प–एक)

COURSE TITLE–नाटककार मोहन राकेश

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1:मोहन राकेश हिंदी जगत में कभी न भूला जाने वाला नाम है | इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थी नाटककार मोहन राकेश के तीनों नाटकों का गहन अध्ययन करेंगें |

CO-2:संगीत नाटक आकादमी द्वारा मोहन राकेश के 'आषाढ़ का एक दिन ' नाटक का सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतिकरण के लिए पुरस्कृत किया गया | द्वितीय इकाई में विद्यार्थी इसी नाटक का गहन अध्ययन करेंगे |

CO-3:तृतीय इकाई में विद्यार्थी नाटक 'लहरों के राजहंस'का अध्ययन करेंगे तथा नाटककार के नाट्य प्रयोगों तथा उनकी नाटय भाषा को जानने, समझने में सक्षम हो पायेंगे |

CO-4:चतुर्थ इकाई के माध्यम से मध्यवर्गीय परिवारों की समस्याओं को समझने हेतु नाटक 'आधे-अधूरे' का पठन-पाठन करेंगे |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester II)
Course Code: MHIL- 2265

(विकल्प - एक)

Course Title: नाटककार मोहन राकेश

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

L-T-P-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई - एक

व्याख्या के लिए निर्धारित नाटक:(निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है)

-आषाढ़ का एक दिन: राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
-लहरों के राजहंस: राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
-आधे अधूरे: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

इकाई - दो

पंजाब का हिंदी नाटक और मोहन राकेश

मोहन राकेश: व्यक्ति और नाटककार
आषाढ़ का एक दिन का नाट्यात्मक वैशिष्ट्य

आषाढ़ का एक दिन का प्रतिपाद्य और मुख्य समस्याएं
कालिदास का अन्तर्द्वन्द्व, पात्र-परियोजना, भाषा-शैली
आषाढ़ का एक दिन: नाम की सार्थकता
आषाढ़ का एक दिन: रंगमंचीयता सार्थकता

इकाई - तीन

मोहन राकेश के नाटकों की मूल्य-चेतना
मोहन राकेश की नाट्यभाषा को योगदान
लहरों के राजहंस का नाट्यात्मक वैशिष्ट्य
लहरों के राजहंस: प्रतिपाद्य एवं मुख्य समस्याएँ
लहरों के राजहंस: विचारधारा और कथ्य - चेतना
लहरों के राजहंस: नाम की सार्थकता
लहरों के राजहंस: रंगमंचीयता |

इकाई - चार

मोहन राकेश की नाट्य - सृष्टि एवं नाट्य प्रयोग
मोहन राकेश रंगमंच के प्रबल समर्थ नाटककार
आधे अधूरे का नाट्यात्मक वैशिष्ट्य
आधे अधूरे: समकालीन मध्यवर्गीय जीवन का दस्तावेज़
आधे अधूरे: विचारधारा, भाषा तथा कथ्य चेतना
आधे अधूरे: नाम की सार्थकता
आधे अधूरे: रंगमंचीयता एक नवीन नाट्य-प्रयोग

सहायक पुस्तकें:

1. मोहन राकेश और उनके नाटक, डॉ. गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली |
2. मोहन राकेश की रंग-सृष्टि, डॉ.जगदीश शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, वाराणसी |
3. नाटककार मोहन राकेश, डॉ. तिलकराज शर्मा, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली |
4. आधुनिक नाटक का मसीहा: मोहन राकेश, डॉ. गोविन्द चातक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली |
5. आधे - अधूरे: समीक्षा, डॉ. राजेश शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली |
6. हिन्दी साहित्य में प्रतीक नाटक, डॉ. रामनारायण लाल, आशा प्रकाशन, कानपुर |
7. मोहन राकेश, व्यक्तित्व तथा कृतित्व, डॉ. सुषमा अग्रवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
8. हिन्दी रंगमंच वार्षिकी, डॉ. शरद नागर, रंगभारती प्रकाशन, दिल्ली |
9. मोहन राकेश के नाटकों में मिथक और यथार्थ, डॉ. अनुपमा शर्मा, नचिकेता प्रकाशन, दिल्ली |
10. हिंदी नाटक का उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली |

11. मोहन राकेश के नाटक, द्विजराय यादव, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
12. लहरों के राजहंस: विविध आयाम, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
13. आषाढ़ का एक दिन: वस्तु और शिल्प, विश्व प्रकाश बटुक दीक्षित, राजपाल पब्लिशर्ज़, दिल्ली।
14. रंग शिल्पी : मोहन राकेश, नरनारायण राय, कादम्बरी, दिल्ली।
15. रंगमंच की भूमिका और हिन्दी नाटककार, रघुवरदयाल वार्ष्णेय, साहित्यलोक, कानपुर।
16. नाटककार मोहन राकेश: संवाद शिल्प, मदन लाल, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली।
17. मोहन राकेश की कृतियों में स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, मिथिलेश गुप्ता, कृष्णा ब्रदर्स, दिल्ली।
18. साठोत्तरी हिन्दी नाटकों का रंगमंचीय अध्ययन, राकेश वत्स, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली।

PG DEPARTMENT OF HINDI

Session 2026-27
Programme: Masters of Arts (Hindi)
(Semester II)
Course Code: MHIL-2265

(विकल्प –दो)

भारतीय साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: सम्पूर्ण भारतीय साहित्य के बारे में जानने के लिए यह प्रश्नपत्र सम्पूर्ण भारत को जोड़ने का काम करता है |

CO-2: अपने-अपने क्षेत्रों के अतिरिक्त सम्पूर्ण भारत में सीताकांत महापात्र, महाश्वेता देवी और विजय तेंदुलकर जैसे साहित्यकारों ने हिंदी भाषा और साहित्य में अपना क्या योगदान दिया है, इसकी पूरी जानकारी इस प्रश्नपत्र के माध्यम से मिलेगी |

CO-3: इसमें सीताकांत महापात्र की कविताओं के द्वारा अनुवाद माध्यम से विद्यार्थी भारतीय साहित्य की समृद्ध परम्परा से परिचित होता है |

CO-4: इसमें महाश्वेता देवी के उपन्यास अग्निगर्भ के माध्यम से विद्यार्थी इसका मूल कथ्य जान सकेगा और हिंदी एवं बंगला उपन्यासों के तुलनात्मक अध्ययन का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेगा |

Co-5 : विजय तेंदुलकर के नाटक 'घासीराम कोतवाल' के अध्ययन से विद्यार्थी के मन में मराठी के समसामयिक जीवन और मराठी संस्कृति के प्रति जानने की उत्सुकता पैदा होगी |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Masters of Arts (Hindi)
(Semester II)
Course Code: MHIL- 2265
(विकल्प - दो)

Course Title: भारतीय साहित्य

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई - एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां :(निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है)

-वर्षा की सुबह (उड़िया-काव्य-संग्रह) सीताकांत महापात्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |
पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताएँ:
आकाश, वर्षा की सुबह नारी वस्त्र-हरण, आधी रात, शब्द से दो बातें, समुद्र की भूल, अकेले-अकेले, जाड़े की साँझ, समुद्र तट, लट्टू डरता है मौत से वह आदमी, चूल्हे की आग |
अग्निगर्भ (बंगला उपन्यास) महाश्वेता देवी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1979
घासी राम कोतवाल (मराठी नाटक) विजय तेंदुलकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 1974

इकाई - दो

भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
कवि सीताकांत महापात्र का सामान्य परिचय एवं जीवन दर्शन, वर्षा की सुबह: काव्य सौन्दर्य (साहित्यिक)
वर्षा की सुबह: प्रकृति चित्रण, वर्षा की सुबह: मानवीय सम्बन्ध और मूल्य चेतना |
हिन्दी और उड़िया कविता का तुलनात्मक अध्ययन |

इकाई - तीन

भारतीय साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
महाश्वेता देवी का सामान्य परिचय: औपन्यासिक यात्रा के सन्दर्भ में, महाश्वेता देवी का वैचारिक दृष्टिकोण, अग्निगर्भ उपन्यास का वैशिष्ट्य, मूल प्रतिपाद्य, पात्र तथा चरित्र-चित्रण, अग्निगर्भ उपन्यास में बंगाल का आदिवासी जीवन एवं बंगाली संस्कृति |
हिन्दी और बंगला उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन |

इकाई - चार

विजय तेंदुलकर की नाट्य यात्रा एवं घासीराम कोतवाल का वैशिष्ट्य, घासीराम कोतवाल नाटक की समीक्षा, प्रतिपाद्य एवं प्रमुख समस्याएँ, घासीराम कोतवाल नाटक में लोक परम्परा का प्रवाह, घासीराम कोतवाल नाटक में रंगमंचीयता, घासीराम कोतवाल नाटक में मराठी का समसामयिक जीवन एवं मराठी संस्कृति, भारतीय नाटक के सन्दर्भ में घासीराम कोतवाल |
हिन्दी और मराठी नाटक का तुलनात्मक अध्ययन |

सहायक पुस्तकें:

1. बंगला साहित्य का इतिहास, प्रकाशक:भारतीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली |
2.भारतीय साहित्य का संकेतिक इतिहास,डॉ.नगेन्द्र कार्यन्वयन समिति, दिल्ली विश्वविद्याल,दिल्ली|
3. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याए, राम विलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
4. भारतीय साहित्य, डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली |
5. हिंदी साहित्येतिहास- दर्शन की भूमिका, डॉ. हरमहेंद्र सिंह बेदी, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली |
6. भारतीय साहित्येतिहासलेखन की समस्याएं, रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester II)
Course Code: MHIL-2265

(**विकल्प –तीन**)

पंजाब का आधुनिक हिंदी साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 : इस प्रश्नपत्र में पंजाब के आधुनिक हिंदी साहित्य कि पृष्ठभूमि के हस्ताक्षरों का अध्ययन भी विद्यार्थी कर सकेगा |

CO-2 : पंजाब के साहित्यकारों ने कहानी , उपन्यास , नाटक क्षेत्र में सराहनीय योगदान दिया है | यहाँ विद्यार्थी इन क्षेत्रों में पंजाब के योगदान का ज्ञान प्राप्त करेगा |

CO-3 : पंजाब के साहित्यकारों ने कविता , निबंध , आलोचना के क्षेत्र में भी विशेष योगदान दिया है | यहाँ विद्यार्थी इन क्षेत्रों में पंजाब के साहित्यकारों के योगदान का ज्ञान प्राप्त करेगा |

Co–4 : इसमें विद्यार्थियों को पंजाब प्रांतीय हिंदी साहित्य की जानकारी प्राप्त होगी और साथ ही पत्रकारिता में उनके अवदान को भी वह समझ सकेगा |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Masters of Arts (Hindi)
(Semester II)
Course Code: MHIL- 2265

(विकल्प - तीन)

Course Title: पंजाब का आधुनिक हिन्दी साहित्य

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई - एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र

पंजाब के आधुनिक हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि
पंजाब के आधुनिक हिन्दी साहित्य के मुख्य हस्ताक्षर:
- पं.श्रद्धाराम फिल्लौरी
- सुदर्शन
- उपेन्द्रनाथ अश्क
- भीष्म साहनी
- कुमार विकल

इकाई - दो

पंजाब का उपन्यास साहित्य में योगदान

पंजाब का कहानी साहित्य में योगदान
पंजाब का नाटक साहित्य में योगदान

इकाई - तीन

पंजाब का कविता में योगदान
पंजाब का निबंध साहित्य में योगदान
पंजाब का आलोचना में योगदान

इकाई - चार

पंजाब का पत्रकारिता में योगदान
पंजाब के स्वातंत्र्योतर हिन्दी साहित्य का योगदान
पंजाब प्रांतीय हिन्दी साहित्य: उपलब्धि और सीमा

सहायक पुस्तकें:

1. पंजाब का हिंदी साहित्य, डॉ. हरमहेंद्र सिंह बेदी, डॉ. कुलविंदर कौर, मनप्रीत प्रकाशन, दिल्ली।
2. पंजाब प्रांतीय हिंदी साहित्य का इतिहास, चंद्रकांत बाली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. गुरुमुखी लिप्पी में हिंदी काव्य, डॉ. हरभजन सिंह, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
4. गुरुमुखी लिप्पी में हिंदी गद्य, डॉ. गोविन्द नाथ राजगुरु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. गुरु गोबिंद सिंह के दरबारी कवि, डॉ. भारत भूषन चौधरी, स्वास्तिक साहित्य सदन, कुरुक्षेत्र।
6. पंजाब हिंदी साहित्य दर्पण, शमशेर सिंह 'अशोक', अशोक पुस्तकालय, पटियाला ।

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Master of Arts HINDI (Semester:III)

(Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System)

Session: 2026-27

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester III)
Course Code: MHIL - 3261

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO-1: हिन्दी के प्राचीन कवियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा उनका हिंदी साहित्य में योगदान सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त कर सकते है |

CO-2: हिन्दी के मध्यकालीन कवियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथा भक्त कवियों का हिन्दी साहित्य में योगदान सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त कर सकते है |

CO-3: प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों के काव्य में आधुनिकता बोध के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

CO-4: प्राचीन एवं मध्यकालीन कवियों की सांस्कृतिक चेतना सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं |

CO-5:सूफी काव्य परम्परा की विशेषताओं और महत्व के सम्बन्ध में जायसी के काव्य के महत्व के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester III)
Course Code: MHIL - 3261

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

LTP – 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :
यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई -एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियाँ : (निर्धारित सभी कृतियों से व्याख्या डालना अनिवार्य है)
पाठ्य पुस्तक - 'काव्य कांति ' सम्पादक प्रो॰ सुधा जितेन्द्र ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली ,2020
नोट : निर्धारित पुस्तक काव्य कांति में से पृ. 129 पाठ्यक्रम में नहीं हैं व्याख्या एवं आलोचना के लिए निर्धारित तीन कवि

1. अमीर खुसरो
2. कबीर
3. जायसी

इकाई -दो

विवेचन हेतु निर्धारित परिक्षेत्र :-

1.अमीर खुसरो : व्यक्तित्व और कृतित्व

- हिंदी के आदि कवि :अमीर खुसरो
- अमीर खुसरो के काव्य की मूल संवेदना
- अमीर खुसरो के काव्य की भाषा
- विद्यापति का सामान्य परिचय

इकाई -तीन

विवेचन हेतु निर्धारित परिक्षेत्र :-

2. कबीर : व्यक्तित्व और कृतित्व
- कबीर काव्य का दार्शनिक पक्ष
- कबीर का सामाजिक दृष्टिकोण
- कबीर का रहस्यवाद
- कबीर काव्य का कलात्मक पक्ष
- कबीर की भक्ति भावना
- रविदास का सामान्य परिचय

इकाई -चार

विवेचन हेतु निर्धारित परिक्षेत्र :-

3. जायसी : व्यक्तित्व और कृतित्व
- सूफी काव्य परम्परा में जायसी का स्थान
- जायसी की प्रबन्ध योजना ,पद्मावत का महाकाव्यत्व
- जायसी के काव्य में विरह वर्णन :नागमती का विशेष सन्दर्भ
- जायसी के काव्य में प्रेमाभिव्यंजना एवं रहस्यवाद
- पद्मावत का काव्य सौष्ठव

सहायक पुस्तकें :

1.आचार्य रामचंद्र शुक्ल हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |
2. गोपीचंद नारंग, अमीर खुसरो का हिंदी काव्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
3. रामनिवास चंडक, कबीर :जीवन और दर्शन, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी |
4. परशुराम चतुर्वेदी, कबीर साहित्य चिंतन, स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद|
5. नज़ीर मुहम्मद, कबीर के काव्य रूप, भारत प्रकाशन, अलीगढ |
6. रघुवंश, कबीर एक नई दृष्टि, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद|
7. रामकुमार वर्मा, कबीर एक अनुशीलन, साहित्य भवन, इलाहाबाद|

8. मनमोहन गौतम, पद्मावत का काव्य वैभव, मैकमिलन कंपनी, दिल्ली।
9. रामपूजन तिवारी, जायसी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. शिवसहाय पाठक, हिंदी सूफी काव्य का समग्र अनुशीलन, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली।
11. जयदेव , सूफी महाकवि जायसी, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ।
12. डॉ.हरमहेन्द्र सिंह बेदी, कालजयी कबीर, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester III)
Course Code: MHIL-3262

आधुनिक गद्य साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: आधुनिक हिंदी साहित्य का उच्चकोटि का उपन्यास 'गोदान' प्रेमचंद की ऐसी कृति है जिसके माध्यम से विद्यार्थी तत्कालीन समाज की विसंगतियों, समस्याओं से जूझते पात्रों की अलक्षित सामर्थ्य एवं शक्ति से परिचित होंगे| इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए शोध के नवीन द्वार खुलते हैं|

CO-2: राजेन्द्र यादव द्वारा सम्पादित कहानी संग्रह 'एक दुनिया समानांतर' में संकलित कहानियों के अध्ययन से विद्यार्थी आधुनिक हिंदी के उच्चकोटि के कथाकारों के साहित्यिक अवदान एवं कहानियों में वर्णित समस्याओं से परिचित होंगे|

CO-3: आधुनिक गद्य साहित्य हिन्दी के श्रेष्ठ साहित्य का परिचायक प्रश्नपत्र है जिसमें महादेवी वर्मा कृत 'अतीत के चलचित्र' संस्मरण साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी तत्कालीन स्त्री की स्थिति का मूल्यांकन करने में समर्थ होंगे और संस्मरण साहित्य विधा को जानने में सक्षम होंगे

CO-4: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी अतीत के चलचित्र के माध्यम से महादेवी वर्मा के गद्यकाररूप का परिचय प्राप्त करेंगे। एक दुनिया समानांतर के माध्यम से विभिन्न कहानीकारों की साहित्यिक दृष्टि पहचानेंगे और गोदान के माध्यम से प्रेमचंद कालीन समाज से रूबरू होंगे।

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester III)
Course Code: MHIL-3262

आधुनिक गद्य साहित्य

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70
LTP-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई -एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियाँ : (निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है)

1.गोदान -प्रेमचंद ,हंस प्रकाशन ,इलाहबाद |

2. एक दुनिया समानांतर - राजेन्द्र यादव ,अक्षर प्रकाशन ,दिल्ली |

निर्धारित कहानियां - बादलों के घेरे ,खोई हुई दिशाएं ,चीफ की दावत ,यही सच है ,एक और जिंदगी, टूटना, नन्हों ,भोलाराम का जीव |

३. अतीत के चलचित्र ,महादेवी वर्मा ,राधाकृष्ण प्रकाशन ,केवल पहले आठ संस्मरण)रामा ,भाभी ,बिन्दा सबिया ,बिट्टो ,बालिका मां ,घीसा ,अभागी स्त्री

इकाई –दो

उपन्यास,कहानी , रेखाचित्र:उद्भव एवं विकास

उपन्यास की परिभाषा ,स्वरुप ,तत्व तथा प्रकार

गोदान:विधागत वैशिष्ट्य ,विकास यात्रा ,हिंदी उपन्यास और प्रेमचंद ,गोदान :कृषक जीवन की त्रासदी ,आदर्श -यथार्थ ,जीवन दर्शन, महाकाव्यात्मक उपन्यास,कथा शिल्प,पात्र,भाषा एवं समस्याएं|

उपन्यासकार भीष्म साहनी का सामान्य परिचय

इकाई -तीन

कहानी के प्रमुख आन्दोलन ,समकालीन कहानी की विशेषताएं

एक दुनिया समानांतर :किसी निर्धारित कहानी के कथ्य सम्बन्धी प्रश्न ,किसी निर्धारित कहानी के शिल्प सम्बन्धी प्रश्न ,संग्रह में निर्धारित कहानियों की सामान्य विशेषताएं |

कहानीकार अज्ञेय का सामान्य परिचय

इकाई -चार

रेखाचित्र :स्वरूप ,तत्त्व एवं प्रकार

अतीत के चलचित्र :अतीत के चलचित्र के आधार पर महादेवी के गद्यकार रूप का विवेचन ,किसी एक रेखाचित्र के कथ्य पर केन्द्रित प्रश्न , किसी एक रेखाचित्र के शिल्प पर केन्द्रित प्रश्न ,रेखाचित्र के तत्वों के आधार पर 'अतीत के चलचित्र' का समग्र मूल्यांकन |

रेखाचित्रकार शिवपूजन सहाय का सामान्य परिचय

सहायक पुस्तकें

1. डॉ.लाल चंद गुप्त 'मंगल', अस्तित्वाद और नयी कहानी, शोध प्रबंध, दिल्ली |
2. डॉ. देवी शंकर अवस्थी, नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
3. डॉ. मधु संधु, कहानीकार निर्मल वर्मा, दिनमान, दिल्ली |
4. हिंदी लेखक कोश, डॉ. सुधा जितेन्द्र एवं अन्य, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर |
5. प्रेमचंद: कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद |
6. प्रेमचंद: हमारे समकालीन, सं.रमेशकुन्तल मेघ और ओम अवस्थी, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर |
7. महादेवी का गद्य, सूर्यप्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |
8. महादेवी और उनकी गद्य रचनाएं, माधवी राजगोपाल, रंजन प्रकाशन, आगरा |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester III)
Course Code: MHIL-3263

भाषा विज्ञानऔर देवनागरी लिपि

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इकाई एक में विद्यार्थी हिंदी भाषा और भाषा विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO-2: इकाई दो में विद्यार्थी ध्वनी विज्ञान,अर्थ विज्ञान,रूप विज्ञान तथा वाक्य विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO-3: इकाई तीन में विद्यार्थी आधुनिक भारतीय भाषाओँ का ज्ञान अर्जित करेंगे तथा हिंदी भाषा के उद्भव और विकास के साथ - साथ हिंदी की विभिन्न बोलियों/विभाषाओं का ज्ञान भी प्राप्त करेंगे |

CO-4: हिंदी की बोलियों , हिंदी का भाषिक स्वरूप और हिंदी की व्याकरणिक कोटियों से परिचित होंगे | देवनागरी लिपि की विशेषताओं और हिंदी भाषा के मानक रूप का ज्ञान|

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester III)
Course Code: MHIL - 3263
भाषा विज्ञान और देवनागरी लिपि

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70
LTP-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई -एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -

भाषा : परिभाषा और स्वरूपगत विशेषताएं,भाषा के विभिन्न रूप : विभाषा,मातृभाषा, साहित्यिक/ सर्जनात्मक भाषा,राजभाषा,राष्ट्रभाषा,सम्पर्क भाषा,मानक भाषा | भाषा का आवृत्तिमूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरण

भाषा विज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप,भाषा विज्ञान के अंग,भाषाविज्ञान का विभिन्न पद्धतियों/शास्त्रों के साथ सम्बन्ध:वर्णनात्मक,ऐतिहासिक,तुलनात्मक

इकाई -दो

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -

ध्वनि विज्ञान : ध्वनि नियम (ग्रिम निरूपित),ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएं |

रूपविज्ञान : रूप और संरूप : सामान्य परिचय,परिभाषा व पारस्परिक अंतर,रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएं

वाक्य विज्ञान : वाक्य का स्वरूप और लक्षण, वाक्य के निकटस्थ अवयव, वाक्य के भेद : रचना, आकृति व अर्थ के आधार पर |

अर्थ विज्ञान : अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं

इकाई-तीन

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -

आधुनिक भाषा विज्ञान : प्रमुख प्रवृत्तियां,रूपांतरण प्रजनक व्याकरण,व्यवस्थापरक व्याकरण, शैली विज्ञान,समाज भाषा विज्ञान |

हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत का परिचय, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ-पालि, प्राकृत, शौरसैनी , मागधी ,अपभ्रंश का परिचय |

हिंदी भाषा का उद्भव और विकास :सामान्य परिचय |

इकाई -चार

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र –

हिंदी का भौगोलिक विस्तार,हिंदी की बोलियाँ -स्वरूपगत संक्षिप्त परिचय |

हिंदी शब्द रचना : उपसर्ग ,प्रत्यय ,समास |

हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ - लिंग, वचन ,कारक,पुरुष ,वाच्य|

भारत की प्रमुख लिपियों का परिचय ,देवनागरी लिपि का स्वरूप, विशेषताएं एवं सीमाएं,संशोधन के लिए प्रस्तावित प्रस्ताव |

सहायक पुस्तकें:

1. भाषाविज्ञान की भूमिका, डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा,राधाकृष्ण प्रकाशन,दिल्ली|
2. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा,द्वारिका प्रसाद सक्सेना|
3. भाषा विज्ञान कोश, भोलानाथ तिवारी,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली |
4. भाषा विज्ञान,डॉ. भोलानाथ तिवारी,किताब महल प्रकाशन,इलाहाबाद |
5. भाषा विज्ञान, कर्ण सिंह, साहित्य भंडार,मेरठ |
6. भोलानाथ तिवारी ,हिंदी भाषा की शब्द सरंचना ,साहित्य सहकार , दिल्ली |
7. भोलानाथ तिवारी ,हिंदी भाषा की सरंचना ,वाणी प्रकाशन ,दिल्ली|
8. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा ,हिंदी भाषा का इतिहास ,हिन्दुस्तानी अकादमी ,इलाहबाद |
9. .डॉ. जाल्मन दीमान्श्श ,व्याहारिक हिंदी व्याकरण , राजपाल एंड संज ,कश्मीरी गेट ,दिल्ली|
10. हरदेव बाहरी,हिंदी :उद्भव ,विकास और रूप, किताब महल ,इलाहाबाद |
11. देवेन्द्र नाथ शर्मा तथा रामदेव त्रिपाठी , हिंदी भाषा का विकास ,राधाकृषण प्रकाशन ,नई दिल्ली |

12. डॉ. भोलानाथ तिवारी , हिंदी भाषा ,किताब महल , इलाहाबाद |
13. नरेश मिश्र , नागरी लिपि , निर्मल प्रकाशन, दिल्ली |
14. डॉ. हरिमोहन , हिंदी भाषा और कंप्यूटर , तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली |

PG DEPARTMENT OF HINDI

Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester III)
Course Code: MHIL - 3264

पत्रकारिता - प्रशिक्षण

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO 1 (पत्रकारिता व संपादन): पत्रकारिता के इतिहास व प्रकारों को समझने तथा समाचार संकलन, लेखन और व्यावहारिक संपादन कला (शीर्षक, ले-आउट, आमुख) का प्रयोग करने में।

CO 2 (समाचार विधाएँ व समकालीन मुद्दे): संवाददाताओं की कार्यप्रणाली को समझने, विभिन्न स्तंभों (फीचर, संपादकीय, साक्षात्कार) का लेखन करने तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता व सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों का विश्लेषण करने में।

CO 3 (इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल व AI मीडिया): रेडियो, टीवी, इंटरनेट मीडिया के तकनीकी पक्षों को समझने तथा आधुनिक ए.आई. टूल्स (AI Tools) की मदद से समाचार लेखन और व्यावहारिक वीडियो निर्माण करने में।

CO 4 (मीडिया कानून, समाज व सोशल मीडिया): प्रेस की स्वतंत्रता, विज्ञापन, प्रसार भारती के नियमों को स्पष्ट करने तथा समाज व भाषा पर सोशल मीडिया के सकारात्मक व नकारात्मक प्रभावों का मूल्यांकन करने में।

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester III)
Course Code: MHIL -3264

पत्रकारिता - प्रशिक्षण

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70
LTP-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:
यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14-14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई -एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र –

पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार,हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास,समाचार पत्रकारिता के मूल तत्त्व,समाचार संकलन तथा लेखन के प्रमुख आयाम |सम्पादन कला के सामान्य सिद्धांत:शीर्षकीकरण,
पृष्ठ विन्यास,आमुख और समाचार पत्रों की प्रस्तुत प्रक्रिया| व्यावहारिक कार्य :हिंदी के प्रमुख पत्रकारों की सूची और उनका अवदान

इकाई -दो

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना, समाचार के विभिन्न स्रोत,संवाददाता की अर्हता,श्रेणी एवं कार्यपद्धति| पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन: सम्पादकीय,फीचर,रिपोर्ताज,साक्षात्कार,खोजी पत्रकारिता,
अनुवर्तन (फॉलोअप)की प्रविधि

हिंदी पत्रकारिता के समक्ष चुनौतियाँ एवं ज्वलंत मुद्दे :सामाजिक न्याय,नागरिक अधिकार ,अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता,अदालत की अवमानना ,स्त्री ,दलित ,आदिवासी एवं वंचित वर्ग के मुद्दे |वर्तमान हिंदी पत्रकारिता में कंटेट और भाषा के बदलाव |व्यावहारिक कार्य : प्रूफ रीडिंग प्रिंट मीडिया से उदाहरण लेकर

इकाई -तीन

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता :रेडियो, टी वी, वीडियो,केबल, मल्टीमीडिया, और इंटरनेट की पत्रकारिता | प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा| पत्रकारिता का प्रबंधन :प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था | टेलीविज़न/रेडियो के साहित्य आधारित कार्यक्रम ,धारावाहिक और टेलीफ़िल्में
साहित्यिक कृतियों का सिनेमाई रूपांतरण/साहित्यिक ई पत्र-पत्रिकाएं और वेबसाइट |
आधुनिक पत्रकारिता में ए .आई टूल्स की भूमिका : सामान्य परिचय ,उपयोगिता और चुनौतियाँ |
व्याहारिक कार्य : ए .आई टूल्स से समाचार लेखन/किसी रिपोर्ट पर आधारित संक्षिप्त वीडियो निर्माण

इकाई -चार

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

मुक्त प्रेस की अवधारणा, लोक सम्पर्क तथा विज्ञापन, प्रसार भारती, तथा सूचना प्रौद्योगिकी, प्रजातान्त्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

सोशल मीडिया के विभिन्न प्रकार : सामान्य परिचय ,सोशल मीडिया का समाज पर प्रभाव व्यावहारिक कार्य :सोशल मीडिया की किसी सामग्री/भाषा का अध्ययन

सहायक पुस्तकें

1. कृष्ण बिहारी मिश्र, हिन्दी पत्रकारिता, संपा. लक्ष्मीचन्द्र जैन, लोकोदय ग्रन्थ भाषा, दिल्ली |
2. राधेश्याम शर्मा, विकास पत्रकारिता |
3. श्याम सुंदर शर्मा, समाचार पत्र, मुद्रण और साजसज्जा |

4. सविता चड्ढा, नई पत्रकारिता और समाचार लेखन।
5. हरिमोहन, समाचार, फीचर लेखन एवं सम्पादन कला।
6. शिवकुमार दुबे, हिंदी पत्रकारिता: इतिहास और स्वरूप।
7. अर्जुन तिवारी, आधुनिक पत्रकारिता, वाराणसी विश्वविद्यालय।
8. रामचन्द्र तिवारी, सम्पादन के सिद्धांत, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
9. रमेश चन्द्र त्रिपाठी, पत्रकारिता के सिद्धांत।
10. हरिमोहन, रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता।
11. संपा. के.सी. नारायण, सम्पादन कला।
12. हरिमोहन, सम्पादन कला एवं प्रूफ पठन।
13. डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू, भारतीय प्रसारण माध्यम।
14. टी.डी. एस. आलोक, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया।
15. हर्षदेव, उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक।
16. संजीव भानावत, प्रेस कानून और पत्रकारिता।

PG DEPARTMENT OF HINDI

Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester III)
Course Code: MHIL - 3265

गुरु नानक देव जी

विकल्प - एक

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इस प्रश्न-पत्र के माध्यम से विद्यार्थी सिक्खों के प्रथम गुरु के द्वारा रचित जपुजी साहिब के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं|

CO-2: गुरु नानक जी की वाणी के वैशिष्ट्य के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर जीवन में सकरात्मक दृष्टिकोण अपना सकते हैं |

CO-3**:** गुरु नानक जी की वाणी के माध्यम से उनके विचारों और जीवन में उनके महत्व से परिचित होकर उनकी सामाजिक सोच,उनकी भक्ति भावना और उनके काव्य-दर्शन को समझ सकते हैं |

CO-4: इस प्रश्नपत्र को पढकर विद्यार्थी भारतीय संस्कृत से परिचित होंगें | जपुजी साहिब की भाषा और शैली का ज्ञान प्राप्त करेंगें | साहित्य में निर्गुण मत कवियों की एक परम्परा है उसमें गुरु नानक देव जी का क्या स्थान है, वे अन्य कवियों से कैसे श्रेष्ठ हैं,इसकी जानकारी भी उन्हें प्राप्त होगी |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester III)
Course Code: MHIL - 3265

गुरु नानक देव जी

विकल्प - एक

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70
LTP-4-0-0

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

अध्ययन के लिए निर्धारित कृत्ति :जपुजी साहिब, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी,अमृतसर |

इकाई -एक

व्याख्या हेतु निर्धारित कृति -

जपुजी साहिब

इकाई -दो

गुरु नानक देव: युग और व्यक्तित्व, जपुजी साहिब का सामान्य परिचय, गुरु नानक देव जी की वाणी का वैशिष्ट्य

इकाई -तीन

गुरु नानक देव जी का सामाजिक चिंतन, गुरु नानक देव जी की भक्ति - भावना, गुरु नानक देव जी की वाणी में दार्शनिकता

इकाई -चार

गुरु नानक देव जी के काव्य में भारतीय संस्कृति के तत्व,जपुजी साहिब की भाषा- शैली एवं काव्य सौष्ठव, निर्गुण भक्त कवियों में गुरु नानक देव जी का स्थान

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Masters of Arts (Hindi)
(Semester III)
Course Code: MHIL - 3265

सूरदास

विकल्प - दो

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: सूरदास विरचित कृष्ण लीला के महत्वपूर्ण प्रसंगों पर आधारित सरस एवं भक्तिपूर्ण पदों के माध्यम से भक्ति के स्वरूप और साहित्य की सरसता को आत्मसात करने के योग्य होंगे |

CO-2: मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय में सूरदास की भक्ति भावना और उसके आधार में निहित मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति सम्प्रदाय में सूरदास की भक्ति भावना और उसके आधार में निहित मनोवैज्ञानिक भूमिका को समझने में सक्षम होंगे | वे सूरदास के व्यक्तित्व व रचनाकार रूप से भी परिचित होंगे और कृष्ण भक्ति काव्य की विशेषताओं का ज्ञान भी प्राप्त करेंगे |

CO-3 : इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी पुष्टिमार्गीय भक्ति के विषय में जानेगें और भक्ति साधना के विभिन्न रूपों का अध्ययन कर सकेंगे |सूरदास किस प्रकार वात्सल्य का चित्रण करते हैं इसका ज्ञान भी प्राप्त कर सकेंगे |

CO-4: सूरकाव्य में निहित संगीत,लय और गीति तत्व की विशेषता को आत्मसात करने के साथ - साथ विद्यार्थी भाषा के सौन्दर्य को समृद्ध बनाने वाले उपकरण - रस, छंद, अलंकार, बिम्ब, प्रतीक इत्यादि के व्यवहारिक उपयोग और सौन्दर्य को समझने में योग्य होंगे |सूरकाव्य के लीला तत्व और कूट पदों के ज्ञान एवं रहस्य से परिचय इस सन्दर्भ में शोध की सम्भावनाओं के प्रति विद्यार्थियों की रुचि प्रोत्साहित होगी |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Masters of Arts (Hindi)
(Semester III)
Course Code: MHIL -3265

सूरदास

विकल्प - दो

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70
LTP-4-0-0

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई -एक

अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तक -

सूरसागर, सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लि० इलाहाबाद |

निर्धारित पद -

विनय भक्ति - 1 से 10 तथा 17 से 24 =18 पद
गोकुल लीला - 1 से 35 =35 पद
वृन्दावन लीला - 3 से 18, 38 से 53, 145 से 155 =43 पद
उधव सन्देश - 116 से 159 =44 पद

इकाई -दो

- मध्ययुगीन भक्ति आन्दोलन तथा कृष्ण भक्ति
- मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति: सम्प्रदाय एवं सिद्धांत
- कृष्ण भक्ति काव्य: विशेषताएं तथा उपलब्धियां
- सूरदास: व्यक्तित्व एवं कृत्तित्व
- सूरकाव्य में लोक संस्कृति
- सूरकाव्य में मनोविज्ञान
- कृष्ण भक्ति काव्य में सूरदास का स्थान
- सूरकाव्य में लीला तत्व

इकाई -तीन

- सूरकाव्य में पुष्टिमार्गीय भक्ति
- सूरकाव्य में भक्ति साधना के अन्य रूप - दास्य, संख्य, प्रेमा आदि
- सूरकाव्य में वात्सल्य वर्णन
- सूरकाव्य में दार्शनिक पक्ष
- सूरकाव्य में निर्गुण - सगुण द्वंद्व

इकाई -चार

- सूरकाव्य में विभिन्न रसों की सृष्टि
- सूरकाव्य में बिम्ब, प्रतीक तथा मिथक
- सूर की काव्य भाषा: शब्द सम्पदा, पद रचना, अलंकार, छंद आदि।
- सूरकाव्य में गीति तत्व
- सूरकाव्य के कूट पद

सहायक पुस्तकें :

1.कमला अत्रिय, आधुनिक मनोविज्ञान और सूरकाव्य, विभू प्रकाशन, साहिबाबाद।
2. रमाशंकर तिवारी, सूर का श्रृंगार वर्णन, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर।
3. आद्या प्रसाद त्रिपाठी, सूर साहित्य में लोक - संस्कृति, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग।
4. एन.जी. द्विवेदी, हिन्दी कृष्ण काव्य का आलोचनात्मक इतिहास, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली।
5. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, सूर साहित्य, राजकमल प्रकाशम, नई दिल्ली।
6. प्रभुदयाल मित्तल, सूरदास, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।
7. प्रभुदयाल मित्तल, सूरसर्वस्व, राजपाल एंड संज, दिल्ली।
8. ब्रजेश्वर वर्मा, सूरदास, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।
9. रामनरेश वर्मा, सगुण भक्ति काव्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
10. मुंशीराम शर्मा, सूरदास का काव्य वैभव ग्रंथम, कानपुर।
11. हरबंस लाल शर्मा, सूर और उनका साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़।

12. वेदप्रकाश शास्त्री, सूर की भक्ति भावना, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली।
13. शारदा श्रीवास्तव, सूर साहित्य में अलंकार विधान, बिहार ग्रन्थ कुटीर, पटना।
14. केशव प्रसाद सिंह, सूर संदर्भ और दृष्टि, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester III)
Course Code: MHIL -3265

हिन्दी कहानी

विकल्प - तीन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 : कहानी साहित्य को आत्मसात करने का सर्वश्रेष्ठ माध्यम है |इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी – वर्ग को कहानी के स्वरूप,विकास यात्रा, कहानी के आन्दोलनों एवं समकालीन कहानी साहित्य की विशेषताओं का विस्तृत एवं गहन ज्ञान प्राप्त होगा | इकाई एक में विद्यार्थी कहानी को पढ़ कर कहानीकारों की दृष्टि को पकड़ सकने में समर्थ होंगे |

CO-2 : इस इकाई को पढने से कहानी का अर्थ और तत्व एवं प्रकार विद्यार्थी के सामने स्पष्ट होंगे | भीष्म साहनी की कहानियों के परिप्रेक्ष्य में विद्यार्थियों के समक्ष पंजाब की तत्कालीन स्थिति, विभाजन की त्रासदी से उत्पन्न संत्रास, विदेशी वातावरण में अपनी मिट्टी की महक के दर्शन होंगे |

CO-3 : मृदुला गर्ग की कहानियों के माध्यम से महानगरीय जीवन की विसंगतियों से जूझते मनुष्य से साक्षात्कार एवं महिलाओं की वर्तमान स्थिति के सम्बन्ध में विद्यार्थी उनकी समस्याओं से अवगत होंगे |

CO-4: मन्नू भंडारी की कहानियों के द्वारा विद्यार्थी समकालीन संदर्भ में स्त्री की स्थिति, आधुनिक युग की समस्याओं से दो - चार होती, जूझती नारी एवं स्त्री अस्मिता से जुड़े प्रश्नों का साक्षात्कार करेंगे |

PG DEPARTMENT OF HINDI

Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester III)
Course Code: MHIL-3265

हिंदी कहानी

विकल्प-तीन

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70
LTP-4-0-0

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई –एक

अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तकें व कहानियां –(निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है)

प्रतिनिधि कहानियां –भीष्म साहनी,राजकमल पेपर बैक्स,दिल्ली 1980

निर्धारित कहानियां- गंगो का जाया,चीफ़ की दावत,खून का रिश्ता,यादें,कुछ और साल, अमृतसरआ गया है, ओ हरामज़ादे, सागमीट ,लीला नन्दलाल की |

प्रतिनिधि कहानियां- मृदुला गर्ग,राजकमल पेपर बैक्स,दिल्ली |

निर्धारित कहानियां-हरी बिन्दी,साठ साल की औरत,समागम,वो मैं ही थी;बंजर,अगली सुबह,उर्फ़ सैम,वितृष्णा |

मेरी प्रिय कहानियां- मन्नू भंडारी,राजपाल एंड सन्ज़ ,दिल्ली 2015

निर्धारित कहानियां- अकेली मजबूरी,नई नौकरी,बंद दराज़ों का साथ,एखाने आकाश नार्द,यही सच है,सज़ा,शायद |

इकाई -दो

. कहानीकार भीष्म साहनी : व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व
. भीष्म साहनी की कहानियों का कथ्य एवं मूल संबंध
. भीष्म साहनी की कहानियों के नारी पात्र
. भीष्म साहनी की कहानियों का शिल्प एवं भाषा

. निर्धारित संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रशन
. कहानी: स्वरूप, परिभाषा, तत्व एवं प्रकार
हिंदी कहानी की विकास यात्रा

इकाई -तीन

. कहानीकार मृदुला गर्ग : सामान्य परिचय
. मृदुला गर्ग की कहानियों में सामाजिक संचेतना
. मृदुला की कहानियों में नारी मनोविज्ञान
. मृदुला गर्ग की कहानियों का शिल्प एवं भाषा
. संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रश्न
. हिंदी कहानी के विभिन्न आन्दोलन

इकाई -चार

. कहानीकार मन्नू भंडारी :सामान्य परिचय
. मन्नू भंडारी की कहानियां: अस्तित्ववादी चेतना
. मन्नू भंडारी की कहानियां: मनोविज्ञान और बदलता समाज
. मन्नू भंडारी की कहानियां : शिल्प और भाषा
. निर्धारित संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रश्न
. समकालीन कहानी की विशेषताएं

अनुशंसित पुस्तकें:

1. हिंदी कहानी : उद्भव और विकास, सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली |
2. हिंदी कहानी : पहचान और परख, इन्द्रनाथ मदान (संपा.) लिपि प्रकाशन, दिल्ली |
3. कहानी: स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली |
4. नयी कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली |
5. कहानी: नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद |
6. नयी कहानी: संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली |
7. समकालीन कहानी की पहचान, नरेन्द्र मोहन, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली |
8. नयी कहानी: विविध प्रयोग, पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद |
9. हिंदी कहानी में प्रगति चेतना, लक्ष्मणदत्त गौतम, कोणार्क, दिल्ली |
10. मिथिलेश रोहतगी, हिन्दी की नयी कहानी का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, शलभ प्रकाशन, मेरठ |
11. हिन्दी लेखक कोश, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर |

12. डॉ. शिव प्रसाद सिंह, आधुनिक परिवेश और अस्तित्व, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
13. राम दरश मिश्र, दो दशक की कथा यात्रा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
14. इन्द्रनाथ मदान, हिन्दी कहानी अपनी ज़बानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
15. सुरेन्द्र चौधरी, हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया
16. परमानंद श्रीवास्तव, हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया, ग्रंथम, कानपुर।
17. बटरोही, कहानी: रचना प्रक्रिया और स्वरूप, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली।

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Master of Arts (HINDI) (Semester:IV)

(Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System)

Session: 2026-27

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester IV)
Course Code: MHIL - 4261

COURSE TITLE- मध्यकालीन हिन्दी काव्य

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

CO-1: इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी 'मध्ययुगीन हिन्दी काव्य के अंतर्गत तुलसी, मीरा जैसे भक्त कवि और रीति कवि बिहारी के काव्य के गूढ़ार्थ से परिचित होंगे।

CO-2: राम काव्य सम्बन्धी ज्ञान प्राप्त करते हुए तुलसीदास की समन्वय साधना, लोकनायकत्व, भक्ति भावना एवं दार्शनिक सिद्धान्तों का गहन अध्ययन करने में समर्थ होंगे।

CO-3: मीराबाई के काव्य के अध्ययन से विद्यार्थी उनकी भक्ति भावना, दार्शनिक सिद्धांत एवं काव्य सौष्ठव का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO-4: रीतिकालीन कवि बिहारी की सतसई के गहन अध्ययन से विद्यार्थी सतसई में वर्णित भक्ति, नीति, श्रृंगार से संबंधित बिहारी के अभिधार्थ, लक्ष्यार्थ एवं व्यंग्यार्थ को समझेंगे।

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester IV)
Course Code: MHIL - 4261

COURSE TITLE- मध्यकालीन हिन्दी काव्य

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70
L-T-P-4-0-0

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा| पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा|

इकाई -एक

व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ्य पुस्तक - 'काव्य कांति ' सम्पादक प्रो॰ सुधा जितेन्द्र ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली ,2020

नोट : निर्धारित पुस्तक काव्य कांति में से पृ. 151 में बाल कांड शीर्षक के स्थान पर उत्तरकाण्ड शीर्षक पड़ा जाए।

पृ. 156 से 160 तक की चौपाईयां और दोहे राम राज्य वर्णन शीर्षक के अंतर्गत पड़े जाएँ ।

व्याख्या के लिए निर्धारित कवि-(निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है)

1.तुलसीदास
2.मीराबाई
3.बिहारीलाल

इकाई-दो

1.तुलसीदास : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
तुलसी की समन्वय साधना और लोकनायकत्व

तुलसी की भक्ति भावना
तुलसी के दार्शनिक सिद्धांत
रामचरितमानस का साहित्यिक मूल्यांकन
विनय पत्रिका: मूल प्रतिपाद्य और शिल्प
कवितावली : मूल प्रतिपाद्य

इकाई-तीन

2.मीराबाई : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- मीरा के काव्य के दार्शनिक सिद्धांत
- मीरा के काव्य में भक्ति का स्वरूप
-मीरा की वाणी का काव्य सौष्ठव
- हिंदी कृष्ण काव्य परम्परा में मीरा का स्थान

इकाई -चार

3.बिहारीलाल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- सतसई परम्परा में बिहारी का स्थान
- बिहारी सतसई : मूल प्रतिपाद्य
- बिहारी सतसई :भक्ति ,नीति और श्रृंगार का समन्वय
- बिहारी की अर्थवत्ता
- बिहारी सतसई :काव्य शिल्प

सहायक पुस्तकें

1. उदयभानु सिंह, तुलसी : दर्शन-मीमांसा ,लखनऊ विश्वविद्यालय,लखनऊ।
2. राममूर्ति त्रिपाठी ,आगम और तुलसी, मैकमिलन ,नई दिल्ली ।
3. राममूर्ति त्रिपाठी , तुलसी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. बलदेव प्रसाद मिश्र, तुलसी दर्शन, हिंदी साहित्य सम्मलेन, प्रयाग।
5. रामप्रसाद मिश्र ,तुलसी के अध्ययन की नई दिशाएं, भारतीय ग्रन्थ निकेतन , नई दिल्ली।
6. रमेश कुंतल मेघ, तुलसी : आधुनिक वातायन से, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
7. रामनरेश वर्मा, हिंदी सगुण काव्य की सांस्कृतिक भूमिका, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी।
8. विष्णुकांत शास्त्री, तुलसी के हिय हेर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. हरबंस लाल शर्मा, बिहारी और उनका साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ।
10. उदयभानु हंस, बिहारी की काव्य कला, रीगल बुक, दिल्ली।
11. जयप्रकाश, बिहारी की काव्य सृष्टि, ऋषि प्रकाशन, कानपुर।
12. डॉ. बच्चन सिंह,बिहारी का नया मूल्यांकन,हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

13. रवीन्द्र कुमार सिंह, बिहारी सतसई: सांस्कृतिक - सामाजिक संदर्भ, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. भगवानदास तिवारी, मीरा की प्रामाणिक पदावली, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
15. महावीर सिंह गहलोत, मीरा: जीवनी और साहित्य।

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester IV)
Course Code: MHIL - 4262

COURSE TITLE-आधुनिक गद्य साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: यह प्रश्नपत्र साहित्य की विविध विधाओं से परिचित कराता है | यह निबंध, नाटक एवं जीवनी साहित्य की त्रिवेणी है जिसमे स्नात होकर विद्यार्थी अपने ज्ञान को सम्पुष्ट करता है|

CO-2:निबंध विविधा में **विद्यार्थी** विभिन्न निबंधकारों के निबंधों में साहित्यिकता, व्यंग्य, संस्कृति एवं सभ्यता के पुट को पहचानेंगे |

CO-3: 'बकरी' के माध्यम से न केवल सर्वेश्वर दयाल सक्सेना अपितु उनकी नाट्य दृष्टि, रंगमंचीयता एवं समज में फैली विषमता से विद्यार्थी परिचित होंगे इस कृति के माध्यम से वे नाटककार के दृष्टिकोण से भी परिचित होंगे|

CO-4: आवारा मसीहा के माध्यम से विद्यार्थियों को शरतचंद्र के जीवन के सूक्ष्म दर्शन होंगे और साथ ही वे उनके साहित्यिक चरित्र से भी परिचित होंगे।

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester IV)
Course Code: MHIL - 4262

COURSE TITLE–आधुनिक गद्य साहित्य

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

L-T-P-4-0-0

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई -एक

विवेचन के लिए निर्धारित कृतियाँ :(निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है)

1.निबंध विविधा, सम्पादक हरमोहन लाल सूद, वागीश प्रकाशन, जालंधर|

2.बकरी 'सर्वेश्वरदयाल सक्सेना" , राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |

3.आवारा मसीहा –विष्णु प्रभाकर ,राजपाल एंड सन्ज़,कश्मीरी गेट,दिल्ली|

1.निबंध विविधा -

(निर्धारित निबंध-कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता,अशोक के फूल,गेहूं बनाम गुलाब,मेरे राम का मुकुट भीग रहा है,पगडंडियों का ज़माना)

इकाई-दो

निबंध :उद्भव एवं विकास

निबंध विधा-स्वरूप और वैशिष्ट्य, हिंदी निबंध- विकास यात्रा

कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता-उपेक्षित पात्रों का सरोकार

अशोक के फूल-भारतीय संस्कृति, इतिहास और जीवन की गाथा
गेहूं बनाम गुलाब- मानव जाति का अभिप्रेत लक्ष्य
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है-प्रतिपाद्य
पगडंडियों का ज़माना-आधुनिक युग का सटीक व्यंग्य
पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक निबंध की विशेषताएं

इकाई -तीन

नाटक-विधागत वैशिष्ट्य, हिंदी नाटक:विकास यात्रा
नाटक:उद्भव एवं विकास

-(बकरी ,सर्वेश्वरदयाल सक्सेना)

1. **'बकरी' नाटक को एक सशक्त राजनीतिक व्यंग्य नाटक के रूप में विवेचित कीजिए।** नाटक में सत्ता, राजनीति और जनसामान्य के संबंधों का विश्लेषण कीजिए।
2. **'बकरी' नाटक के प्रतीकात्मक स्वरूप का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।** स्पष्ट कीजिए कि 'बकरी' किस प्रकार भारतीय समाज और आम आदमी का प्रतीक बन जाती है।
3. **'बकरी' नाटक के प्रमुख पात्रों का चरित्र-विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए।** विशेष रूप से दुर्जन सिंह, कर्मवीर, सत्यवीर तथा युवक के संदर्भ में उनकी वैचारिक भूमिका स्पष्ट कीजिए।
4. **'बकरी' नाटक की नाट्य-शिल्प संबंधी विशेषताओं का मूल्यांकन कीजिए।** कथानक, संवाद, भाषा, व्यंग्य, प्रतीक योजना तथा रंगमंचीयता के आधार पर उत्तर दीजिए।
5. **'बकरी' नाटक में लोकतांत्रिक व्यवस्था की विडंबनाओं और सामाजिक-राजनीतिक विसंगतियों का विश्लेषण कीजिए।** समकालीन संदर्भों में इसकी प्रासंगिकता पर भी विचार कीजिए।
6. **सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के नाटक *बकरी* की आधुनिक हिंदी रंगमंच में प्रासंगिकता का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।** यह नाटक भारतीय समाज की किन समस्याओं को उजागर करता है?

इकाई -चार

जीवनी :उद्भव एवं विकास

जीवनी:परिभाषा,स्वरूप व तत्व,

- आवारा मसीहा –विष्णु प्रभाकर

जीवनी के तत्वों के आधार पर आवारा मसीहा का मूल्यांकन,जीवनी के सन्दर्भ में शरतचन्द्र का चरित्र चित्रण, आवारा मसीहा जीवनी विधा का गौरव ग्रन्थ |

सहायक पुस्तकें

1.हिंदी लेखक कोश, प्रकाशन गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर |

2.जगदीश शर्मा, मोहन राकेश के नाटकों की रंग सृष्टि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली|

3.गोबिंद चातक, आधुनिक नाटक का मसीहा: मोहन राकेश, इन्द्रप्रस्थ , दिल्ली|

4.गिरीश रस्तोगी, मोहन राकेश के नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद|

5.कृति मूल्यांकन,आवारा मसीहा संपा.पल्लव,राजपाल एंड संस,दिल्ली

6. कलानाथ मिश्र : आवारा मसीहा की औपन्यासिकता

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester IV)
Course Code: MHIL-4263

COURSE TITLE-शोध प्रविधि

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: शोधार्थी साहित्य में शोध के लिए तैयार होंगे तथा शोध की परिभाषा जानते हुए इसकी परम्परा का अध्ययन करेंगे।

CO-2:शोध मानव ज्ञान को दिशा प्रदान करने ,व्यावहारिक समस्याओं का समाधान करने में सहायक है | शोधार्थी साहित्यिक शोध की कोटियों का ज्ञान प्राप्त करते हुए इसमें आने वाली समस्याओं का अध्ययन करेंगे|

CO-3:शोध के क्षेत्र में सामग्री संकलन से लेकर समस्याओं के समाधान तक की यात्रा को शोधार्थी तय करने में सक्षम होंगे|

CO-4: इस इकाई के माध्यम से विद्यार्थी पाद टिप्पणी के महत्त्व और विभिन्न प्रकार की सामग्री को प्रस्तुत करने के उदाहरण जान सकेगा| शीर्षकीकरण और उद्धरण देने का सही तरीका क्या है, संदर्भिका तथा अनुक्रमणिका की निर्माण प्रक्रिया को जानने में भी समर्थ होगा|

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester IV)
Course Code: MHIL-4263
Course Title: शोध प्रविधि

Total: 100
CA: 30
TH: 70

समय: तीन घंटे

L-T-P-4-0-0

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा| पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा|

इकाई-एक

शोधाभिप्राय :

शोध: अर्थ एवं स्वरूप , शोध के तत्त्व , शोध एवं समीक्षा ,शोध के प्रयोजन , शोध के प्रकार , शोध की पद्धतियाँ , शोध-चिंतन , तथ्यानुसंधान एवं तथ्य परीक्षण , शोध अर्हता एवं संस्कार

इकाई-दो

शोध के सोपान :

शोध चिंतन , विषय चयन , रूपरेखा निर्माण , शोध शीर्षक ,प्रस्तावना ,पूर्वकृत कार्य की समीक्षा ,परिकल्पना ,उद्देश्य ,प्रविधि , परिशिष्ट आदि , सामग्री संकलन ,टीप (नोट्स) लेना ,प्रश्नावली , साक्षात्कार तथा पर्यवेक्षण पद्धति ।

इकाई-तीन

शोध -प्रबंध लेखन :-

विषय सूची , संकेत सूची ,विषय प्रवेश या पीठिका , भूमिका एवं उपसंहार -लेखन ,अध्यायीकरण ,उद्धरण -प्रस्तुति , सन्दर्भ-उल्लेख , पाद टिप्पणी ;सन्दर्भ ग्रंथ सूची ,नामों एवं विषयों की अनुक्रमणिका

इकाई-चार

शोध -संहिता एवं कंप्युटर अनुप्रयोग :-

शोध आचार संहिता , कॉपीराइट ,साहित्यिक चोरी तथा उपचार ;प्रकाशन संबंधी नैतिकता एवं दुराचार ,विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी 2016 का शोध - संबंधी अधिनियम ।

कंप्युटर का शोध में उपयोग ,कंप्युटर पर हिन्दी में काम करने की सुविधा , ई - सामग्री संग्रह तथा उपयोग , हिन्दी भाषा और साहित्य संबंधी विविध वेबसाइट ,ई -पत्रिकाएँ ,पुस्तकें तथा उनके लिए लेखन

सहायक पुस्तकें –

शोध सिद्धांत और व्यवहार ,प्यारा सिंह, पब्लिकेशन ब्यूरो, पटियाला |
हिंदी शोध , रविंदर मिश्र , युगांतर प्रकाशन ,दिल्ली |
शोध स्वरूप एवं मानक व्यवहारिक कार्यविधि , बैजनाथ सिंहल, दि मैकमिलन कंपनी आफ इंडिया लिमिटेड, दिल्ली |
हिंदी शोध : दिशाएं , प्रवृतियां एवं उपलब्धियां, गणेश प्रसाद, महावीर प्रेस , वाराणसी |
हिंदी शोध तंत्र की रूपरेखा , मनमोहन सहगल,पंचशील प्रकाशन, दिल्ली |
हिंदी अनुसन्धान के आयाम, भ.ह. राजूरकर, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली |
शोध प्रविधि , विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली |
अनुसन्धान और आलोचना , नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली |
तुलनात्मक अध्ययन और उसकी समस्याएं ,एस.गुलाब रसूल, हिंदी साहित्य भण्डार |
साहित्यिक शोध के आयाम, शशिभूषण सिंहल,आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester IV)
Course Code: MHIL-4264

COURSE TITLE–राजभाषा प्रशिक्षण

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 : इकाई एक में प्रशासन -व्यवस्था और भाषा ,भाषा की बहुभाषीयता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता ,राज भाषा (कार्यालयी हिंदी) की प्रकृति ,राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान ,राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक),राष्ट्रपति के आदेश (1952ए,1955 ए,1960)की विस्तृत जानकारी दी जाएगी |

CO-2 : इकाई दो में विद्यार्थी राजभाषा अधिनियमों की जानकारी के साथ हिंदीतर राज्यों और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की भूमिका को जान सकेंगे | हिंदी के प्रचार प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की क्या भूमिका है और
हिंदी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या को भी आत्मसात कर सकेंगे |

CO-3 : इकाई तीन में राजभाषा के अनुप्रयोगात्मक पक्ष :हिंदी ,आलेखन, टिप्पण ,संक्षेपण तथा पत्राचार पर बल दिया जायेगा | हिंदी कंप्यूटरीकरण , हिंदी संकेताक्षर और कूट निर्माण ,हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी परिभाषिक शब्दावली का ज्ञान भी प्राप्त होगा |

CO-4:इकाई चार में केंद्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिंदीकरण की प्रगति ,बैंकिंग , बीमा औरअन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिंदी अनुप्रयोग की स्थिति ,विविध क्षेत्रों में हिंदी ,सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिंदी और देवनागरी लिपि व भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का भविष्य आदि विषयों की विस्तार से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester IV)
Course Code: MHIL-4264

COURSE TITLE–राजभाषा प्रशिक्षण

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70
L-T-P-4-0-0

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई -एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

प्रशासन -व्यवस्था और भाषा ,भाषा की बहुभाषीयता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता |
राज भाषा (कार्यालयी हिंदी) की प्रकृति ,राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान |
राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक)
राष्ट्रपति के आदेश (1952ए,1955 ए,1960)

इकाई -दो

राजभाषा अधिनियम1963 ,(यथा संशोधित 1967)
राजभाषा संकल्प(1968) , यथानुमोदित(1961)
राजभाषा नियम1976 द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र
हिंदीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिंदी की स्थिति
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी
हिंदी के प्रचार प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की भूमिका
हिंदी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या

इकाई -तीन

राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष :हिंदी ,आलेखन, टिप्पण ,संक्षेपण तथा पत्राचार |
कार्यालय अभिलेखों के हिंदी अनुवाद की समस्या
हिंदी कंप्यूटरीकरण
हिंदी संकेताक्षर और कूट निर्माण
हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी परिभाषिक शब्दावली

इकाई -चार

केंद्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिंदीकरण की प्रगति
बैंकिंग , बीमा औरअन्य वाणिज्यिक क्षेत्रों में हिंदी अनुप्रयोग की स्थिति
विविध क्षेत्रों में हिंदी
सूचना प्रौद्योगिकी (संचार माध्यमों) के परिप्रेक्ष्य में हिंदी और देवनागरी लिपि
भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिंदी का भविष्य |

सहायक पुस्तकें:

हरिबाबू जगन्नाथ,संघ की भाषा, केन्द्रीय सचिवालय, हिंदी परिषद् नई दिल्ली |

राजभाषा अधिनियम, अखिल भारतीय संस्था संघ, नई दिल्ली |

डॉ. भोलानाथ तिवारी, अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, नई दिल्ली |

मालिक मुहम्मद, राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम, राजपाल एंड संस, दिल्ली|

शेरबहादुर झा. संविधान में हिंदी तथा संविधान में राजभाषा सम्बन्धी अनुच्छेद तथा धाराएं,
हिन्दी का सामाजिक संदर्भ |

संपा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. रामनाथ सहाय, हिंदी का सामाजिक संदर्भ, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा |

डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, संविधान में हिंदी प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, दिल्ली |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester IV)
Course Code: MHIL - 4265

COURSE TITLE–उत्तर काव्यधारा के संदर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का विशेष अध्ययन

विकल्प-एक

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इकाई एक में गुरु जी की वाणी का व्याख्यात्मक परिचय दिया जायेगा |

CO-2: गुरु काव्य परम्परा में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का वैशिष्ट्य, काव्य एवं दर्शन योगदान का परिचय |
गुरु तेगबहादुर जी के काव्य के दार्शनिक चिन्तन के व्याख्यात्मक पक्ष की अनुभूति |

CO-3: गुरु तेगबहादुर जी की वाणी के सांस्कृतिक पक्ष के दर्शन एवं अद्वैत दर्शन का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |

CO-4: इकाई चार में विद्यार्थी गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन ,उनकी वाणी का परवर्ती पंजाब के हिंदी साहित्य पर प्रभाव ,उनकी वाणी की राग योजना एवं उनकी वाणी की प्रगितिशीलता का अध्ययन करेंगे |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Master of Arts (Hindi)
(Semester IV)
Course Code: MHIL - 4265

विकल्प-**एक**

COURSE TITLE–उत्तर काव्यधारा के संदर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का विशेष अध्ययन

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70
L-T-P-4-0-0

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई -एक

व्याख्या के लिए निर्धारित पुस्तक - वाणी गुरु तेग बहादुर जी, प्रकाशक :शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी,अमृतसर |

इकाई -दो

गुरु तेग बहादुर :व्यक्तित्व और कृतित्व
हिंदी साहित्य में गुरु तेग बहादुर जी का स्थान
गुरु तेग बहादुर की वाणी का काव्य दर्शन
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में गुरमत दर्शन का संकल्प

इकाई- तीन

गुरु काव्यधारा :परम्परा और विकास
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी के समाजशास्त्रीय आयाम
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी और भारतीय संस्कृति
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में पौराणिक संदर्भ

इकाई -चार

गुरु तेग बहादुर की वाणी की मूल संवेदना
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का परवर्ती पंजाब के हिंदी साहित्य पर प्रभाव
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की राग योजना
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की प्रगितिशीलता

सहायक पुस्तकें:-

1. नवम गुरु पर बारह निबंध , संपा.रमेश कुंतल मेघ ,गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
2. गुरु तेग बहादुर :जीवन और आदर्श, डॉ. महीप सिंह,रूप प्रकाशन, नई दिल्ली|
3. जीवन तथा वाणी गुरु तेग बहादुर, भाषा विभाग पंजाब, पटियाला।
4. नौ निध, संपा प्रो.प्रीतम सिंह, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
5. गुरु तेग बहादुर जी डा दार्शनिक चिन्तन, कृष्ण गोपाल दास,रूप प्रकाशन, नई दिल्ली|

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Masters of Arts (Hindi)
(Semester IV)
Course Code: MHIL – 4265

विकल्प-दो

COURSE TITLE -हिंदी उपन्यास

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इस प्रश्न पत्र की इकाई-एक में उपन्यासों को पढ़कर विद्यार्थी उसके कथ्य को समझ सकेंगें|

CO-2: 'बाणभट्ट की आत्मकथा'उपन्यास में नारी का चित्रण,चरित्रों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ वे उसमे वर्णित मूल्यों की जानकारी भी प्राप्त करेंगें |

CO-3: अमृतलाल नागर की इस कृति के माध्यम से विद्यार्थी 'बूँद और समुद्र'के कथ्य व भाषा शैली को समझनेमें समर्थ होंगे | इस उपन्यास के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष को भी समझने में सफल होंगें |

CO-4: जगदीश चन्द्र पंजाब के साहित्यकार हैं| 'धरती धन न अपना' उपन्यास के अध्ययन से उपन्यास में वर्णित समस्याओं व कला पक्ष से विद्यार्थी परिचित होगा | पंजाब के उस समय के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष से भी वह परिचित होंगें |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Masters of Arts (Hindi)
(Semester IV)
Course Code: MHIL - 4265

विकल्प-दो

Course Title -हिंदी उपन्यास

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70
LTP-4-0-0

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :
यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा।

इकाई -एक

निर्धारित कृतियां-(निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है)
1.'बाणभट्ट की आत्मकथा', आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली।
2. 'बूँद और समुद्र', अमृत लाल नागर, किताब महल, इलाहाबाद।
3.'धरती धन न अपना' ,जगदीश चन्द्र ,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

इकाई -दो

उपन्यासकार हज़ारी प्रसाद द्विवेदी : सामान्य परिचय
बाणभट्ट की आत्मकथा की नारी भावना
बाणभट्ट की आत्मकथा :मूल्य चेतना
बाणभट्ट की आत्मकथा - प्रमुख चरित्र -बाणभट्ट, निपुणिका, भट्टिनी।

इकाई- तीन

-उपन्यासकार अमृतलाल नागर : सामान्य परिचय
बूँद और समुद्र की सामाजिक चेतना
बूँद और समुद्र की भाषा शैली
बूँद और समुद्र का सांस्कृतिक अध्ययन
बूँद और समुद्र की कथ्यगत उपलब्धियां

इकाई -चार

उपन्यासकार जगदीश चन्द्र :सामान्य परिचय
'धरती धन न अपना' में जगदीश चन्द्र का जीवन दर्शन
'धरती धन न अपना' में पंजाब का सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिवेश
धरती धन न अपना : कथ्य तथा समस्याएँ
'धरती धन न अपना' का कलात्मक पक्ष

सहायक पुस्तकें:

1.आज का हिंदी उपन्यास ,इन्द्रनाथ मदान ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली |

2.हिंदी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा , रामदरश मिश्र , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली|

3.आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिंदी उपन्यास, अतुलवीर अरोड़ा पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ |

4. जगदीश चन्द्र की उपन्यास यात्रा , डॉ सुधा जितेन्द्र ,संजय प्रकाशन, नई दिल्ली |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Masters of Arts (Hindi)
(Semester IV)
Course Code: MHIL- 4265
निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल
विकल्प-तीन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: चिंतामणि भाग एक दो तीन के सभी निबंधों को पढकर विद्यार्थी शुक्ल जी की दृष्टि से परिचित होंगे|

CO-2: इकाई दो के माध्यम से विद्यार्थी शुक्ल जी से पूर्व निबंध साहित्य के स्वरूप के विषय में जान सकेंगे और शुक्ल जी के दृष्टिकोण से भी ज्ञान प्राप्त करेंगे |आधुनिक काल में हिंदी साहित्य में निबन्ध विधा की क्या स्थिति है,इसके विषय में भी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |

CO-3: इस इकाई में निबंधों का सर्वेक्षण करते हुए निबंधों की कोटियों का सर्वेक्षण किया जाएगा| विद्यार्थी शुक्ल जी के निबन्धों की मूल्य-दृष्टि,उनके वैशिष्ट्य तथा उनके सभी प्रकार के निबंधों की विशेषताओं से लाभान्वित होंगे |

CO-4: इस इकाई के द्वारा विद्यार्थी यह जानने में समर्थ होंगे कि शुक्ल जी पर अपने पूर्ववर्ती निबंधकारों का कय प्रभाव पड़ा और परवर्ती निबंधकार उनसे कैसे प्रभावित हुए |विद्यार्थी शुक्ल जी के निबंधों की भाषा,शैली की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे | इस प्रकार से उनके निबंधों की समीक्षा भी की जाएगी |

PG DEPARTMENT OF HINDI
Session 2026-27
Programme: Masters of Arts (Hindi)
(Semester IV)
Course Code: MHIL- 4265
निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल
विकल्प-तीन

Total: 100
CA: 30
समय: तीन घंटे TH: 70

LTP-4-0-0

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो,तीन,चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो,तीन,चार में से 14 -14 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000 शब्दों में देना होगा |

इकाई -एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां-(निर्धारित सभी कृतियों में से व्याख्या डालना अनिवार्य है)

1.चिंतामणि , भाग एक :इंडियन प्रेस , इलाहाबाद (सभी निबंध व्यख्यार्थ निर्धारित हैं)

2.चिंतामणि ,भाग दो :सरस्वती मंदिर , वाराणसी (व्यख्यार्थ निबंध: काव्य में अभिव्यंजनावाद)

3.चिंतामणि , भाग तीन :नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली (व्यख्यार्थ अनूदित निबंधों को छोडकर शेष सभी निबंध)

इकाई -दो

1.हिंदी साहित्य और निबंध विधा: विशेषतया आधुनिक काल

2.आचार्य शुक्ल से पूर्व हिंदी निबंध साहित्य :भारतेंदु युग ,द्विवेदी युग

3.आचार्य शुक्ल और निबंध विधा :स्थान एवं महत्व

इकाई- तीन

1.शुक्ल जी का निबंध साहित्य :वर्गीकरण तथा सर्वेक्षण

2.आचार्य शुक्ल की मूल्य -दृष्टि

3.आचार्य शुक्ल के निबंध - लेखन का वैशिष्ट्य

4.शुक्ल जी के सैध्दान्तिक, व्यावहारिक तथा अन्य निबंधो की विशेषताएं |

इकाई -चार

1. आचार्य शुक्ल पर पूर्ववर्ती निबंधकारों का प्रभाव और शुक्ल जी की परवर्ती निबंध परम्परा |

2. आचार्य शुक्ल का निबंध शिल्प भाषा, शैली,शब्द सरंचना ,विभिन्न भाषाओं की शब्दावली का प्रयोग |

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित महत्वपूर्ण निबंधों की समीक्षा |

सहायक पुस्तकें :

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और उनका साहित्य जय चन्द्र राय, भारतीय साहित्य मंदिर , दिल्ली|
2. आचार्य रामचंद्र विचार – कोश , सम्पादक अजित्त कुमार , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , दिल्ली |
3. निबंधकार रामचंद्र शुक्ल, राम लाल सिंह , साहित्य सहयोग ,इलाहाबाद |
4. आचार्य शुक्ल कोश, रामचंद्र तिवारी , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के बहुमुखी कृतित्व का सर्वांगीन विवेचन , संपा - शशिभूषण सिंहल ,ऋषभचरण जैन , दिल्ली|
6. रामचंद्र शुक्ल व्यक्तित्व और साहित्य दृष्टि, संपा. विद्याधर , प्रभा प्रकाशन, इलाहाबाद|
7. . आचार्य रामचंद्र के प्रतिनिधि निबंध ,पांडेय सुधाकर , राधाकृष्ण प्रकाशन , दिल्ली|
8. आचार्य रामचंद्र : रचना और दृष्टि , संपा. विवेकी राय तथा वेद प्रकाश , महेसाना, गिरनार |
9. आचार्य रामचंद्र:संदर्भ और दृष्टि, जगदीश नारायण पंकज ,भवदीय प्रकाशन ,अयोध्या |
10. आचार्य रामचंद्र शुक्ल: निबंधकार , आलोचक और रस मीमांसक , जयनाथ नलिन ,साहित्य संस्थान, दिल्ली |
11. आचार्य रामचंद्र शुक्लऔर उनका साहित्य, जयचंद्र राय, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली|
12. आचार्य रामचंद्र शुक्ल और चिंतामणि का आलोचानात्मक अध्ययन , राजनाथ शर्मा, विनोद पुस्तक मंदिर , आगरा |
13. आचार्य रामचंद्र शुक्ल का गद्य साहित्य, अशोक सिंह , लोकभारती, इलाहाबाद |